मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 07
बुधवार, 08 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और इंडोनेशिया की एक ही रायः पीएम मोदी

इंडोनेशिया, 07 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत और इंडोनेशिया का रुख एक जैसा और पक्का है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के दौरान समर्थन के लिए इंडोनेशियाई नेतृत्व का धन्यवाद किया। आज इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए, भारतीय प्रधानमंत्री ने तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में वठ सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की जरूरत पर भी जोर दिया। इंडोनेशियाई संसद (कोम्पलेक्स पालेर्मेन रिपब्लिक इंडोनेशिया) के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ढट मोदी ने कहा, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत और इंडोनेशिया की सोच हमेशा एक जैसी रही है। पिछले साल पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के समय इंडोनेशिया मजबूती से भारत के साथ खड़ा रहा। मैं राष्ट्रपति प्राबोवो और आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि दोनों देश 'जॉइंट वर्किंग ग्रुप' के जरिए आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा, खुफिया जानकारी, साइबर खतरे, टेरर फंडिंग और डी-रेडिकलाइजेशन (कट्टरपंथ से दूर करना) - इन क्षेत्रों में अपना सहयोग बढ़ाकर हम दुनिया में शांति चाहने वाली ताकतों को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और इस क्षेत्र में नेविगेशन (आवाजाही) की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। आज के दौर में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल का जिक्र

करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया जैसे देश समान भागीदारी और अहम भूमिका चाहते हैं।

उन्होंने कहा, इस वैश्विक परिदृश्य में, भारत का दृढ़ विश्वास है कि वठरउ में सुधार में अब और देरी नहीं की जा सकती।अपने संबोधन में उन्होंने भारत और इंडोनेशिया के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी पर जोर दिया और कहा, हमारे दोनों देशों को लगभग एक ही समय में आजादी मिलीः इंडोनेशिया को 1945 में और भारत को 1947 में। जब स्वतंत्र देशों के तौर पर संप्रभुता की बात आई, तो भारत ने संयुक्त राष्ट्र में इंडोनेशिया के स्वतंत्रता आंदोलन के समर्थन में एक मजबूत आवाज उठाई। उस समय सम्मानित बीजू पटनायक ने जो भूमिका निभाई–जिस तरह से वे प्रधानमंत्री सुतान शजरिर और उपराष्ट्रपति मोहम्मद हट्टा को सुरक्षित भारत लाए, उससे दोनों देश करीब आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया के तीन दिन के दौरे पर हैं। आज इससे पहले, उन्होंने राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत की और 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री सहयोग, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, ऊर्जा, हेल्थकेयर और फार्मास्यूटिकल्स, अंतरिक्ष, महत्वपूर्ण खनिज और रेयर अर्थ, संस्कृति, पर्यटन, कृषि और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे विषय शामिल हैं।

भारी बारिश के बाद वसई-विरार में बाढ़ का तांडव, जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त

मुंबई, 07 जुलाई। पिछले पांच दिनों से लगातार भारी बारिश की वजह से मुंबई के वसई-विरार और नालासोपारा इलाके में बाढ़ का संकट पैदा हो गया है। कई निचले इलाके पांच फीट तक पानी में डूब गए हैं। वहीं पिछले 40 घंटों से अधिक समय से बिजली आपूर्ति ठप है। बिजली न होने के कारण निवासियों को पीने के पानी, मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाओं के बिना रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। सड़कों और घरों में पानी भरा होने के कारण अब जलजनित बीमारियों के फैलने का खतरा भी मंडराने लगा है।बाढ़ का सबसे बुरा असर बिजली के बुनियादी ढांचे पर पड़ा है। वसई (पश्चिम) के सनसिटी स्थित महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी का मुख्य सबस्टेशन पूरी तरह जलमग्न हो गया है। इसके अलावा, कई ट्रांसफार्मर, फीडर पिलर और भूमिगत केबल भी पानी में डूबे हुए

हैं। सुरक्षा के मद्देनजर और करंट लगने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने कई इलाकों की बिजली काट दी है।

लंबे समय से बिजली गुल होने के कारण मोबाइल टावरों ने काम करना बंद कर दिया है, जिससे इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। घर से काम करने वाले कर्मचारियों और छात्रों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दीवानमान की निवासी दीपाली बागुल ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उनके इनवर्टर और मोबाइल फोन की बैटरी खत्म हो चुकी है और घुटनों तक भरे पानी के कारण वे घर के अंदर फंसे हुए हैं। शहर में जलजमाव के कारण आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो गई है। इलेक्ट्रिक पंप न चल पाने के कारण इमारतों की टंकियों में पानी नहीं चढ़ रहा है, जिससे पीने के पानी की भारी किल्लत हो गई है। सड़कों पर पानी भरा होने के कारण दूध की वैन मोहल्लों तक नहीं पहुंच पा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप दूध, सब्जियों और अन्य दैनिक आवश्यकताओं की कमी हो गई है।

स्टेशन परिसर में जर्जर इमारत का हिस्सा ढहा, बड़ा हादसा टला

डोंबिवली, 07 जुलाई। डोंबिवली पूर्व स्थित स्टेशन परिसर में मौजूद अत्यंत जर्जर सुमति निवास इमारत का एक हिस्सा अचानक ढह जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, इमारत पहले से ही खाली कराई जा चुकी थी। हालांकि यह इलाका स्टेशन के पास होने के कारण हमेशा लोगों की आवाजाही से भरा रहता है। घटना के समय तेज बारिश होने के कारण सड़क पर लोगों की संख्या कम थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इमारत को अत्यंत खतरनाक घोषित किए जाने के बावजूद उन्होंने मानसून से पहले इसे गिराने की मांग कई बार प्रशासन से की थी, लेकिन समय

रहते कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि यह हादसा व्यस्त समय में होता तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। घटना के बाद अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर इमारत को चारों ओर से घेराबंदी (बैरिकेडिंग) कर सुरक्षित किया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्रशासन मौके पर स्थिति का जायजा ले रहा है।

गुजरात में भारी बारिश का कहर : सूरत में पांच की मौत, 2100 लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

गुजरात, 07 जुलाई। दक्षिण गुजरात के कई हिस्सों में मंगलवार को अत्यंत भारी बारिश हुई। इससे सूरत जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जहां पिछले दो दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,100 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सूरत जिले की कामरेज तहसील में मंगलवार को शाम चार बजे तक, महज 10 घंटों के भीतर 305 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के मद्देनजर नवसारी और सूरत जिलों में मंगलवार को स्कूल और कॉलेज बंद रहे।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने पूवार्नुमान में कहा, पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण गुजरात क्षेत्र के सूरत,

वलसाड, दादरा और नगर हवेली में कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश हुई। सूरत नगर निगम के आयुक्त एम. नागराजन ने संवाददाताओं को बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से करीब 2,100 लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों पर स्थानांतरित किया गया है। जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि पिछले दो दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में कुल पांच मौतें हुई हैं।

अधिकारी ने कहा, ₹आज करंट लगने से दो लोगों की मौत की खबर है, जबकि एक अन्य व्यक्ति की कामरेज इलाके में मौत हो गई। इससे पहले सोमवार को सूरत के रांदेर इलाके में करंट लगने से दो लोगों की जान चली गई थी। गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सूरत के कई तहसीलों में दिन के दौरान 200 मिमी से अधिक बारिश हुई। जिले के कामरेज तहसील में मंगलवार सुबह छह बजे से शाम चार बजे के बीच 305 मिमी बारिश दर्ज की गई जबकि सूरत शहर में 260 मिमी और पलसाना कस्बे में 205 मिमी बारिश हुई। नवसारी जिले के नवसारी तहसील में 195 मिमी बारिश हुई, जबकि जलालपोर में 177 मिमी बारिश दर्ज की गई। नगर निगम आयुक्त ने नागरिकों को मूसलाधार बारिश को देखते हुए जरूरत होने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा, ₹सूरत में आज शाम चार बजे तक भारी बारिश हुई, जिससे सड़कें बंद हो गईं, सार्वजनिक परिवहन बाधित हुआ और अचानक बाढ़ आने की आशंका बनी हुई है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे घरों में सुरक्षित रहें।₹ मौसम विभाग ने आगे भी बारिश होने का अनुमान जताया है। पूवार्नुमान में कहा गया है कि 8 जुलाई की सुबह 8:30 बजे तक दक्षिण गुजरात क्षेत्र के सूरत, डांग, नवसारी, वलसाड, तापी और दमन, दादरा और नगर हवेली में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

इसके अलावा सौराष्ट्र के भावनगर जिले में भी ऐसी ही स्थिति रह सकती है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून गुजरात के शेष हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी 'रेड अलर्ट' को देखते हुए नवसारी जिला प्रशासन ने मंगलवार को जिले के सभी आंगनबाड़ियों, स्कूलों, कॉलेजों और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को बंद रखा।

योगी आदित्यनाथ का कांग्रेस-सपा पर बड़ा वार

लखनऊ, 07 जुलाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राम मंदिर के लिए मिले दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि वक्फ संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जे के मामले पर विपक्ष क्यों चुप रहा। प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे दूसरे मुद्दों को नजरअंदाज करते हुए चुनिंदा तौर पर हिंदू धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पास सिर्फ. दो ही मुद्दे बचे हैं। आपने देखा होगा कि हाल के दिनों में उन्होंने भारत की सनातन आस्था पर हमला करने की कैसी शरारतपूर्ण कोशिशें की हैं। कांग्रेस दावा करती

थी कि भगवान राम का कभी अस्तित्व ही नहीं था, या भगवान कृष्ण कभी हुए ही नहीं। देखिए, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी–जिन्होंने कभी अयोध्या में बाबरी ढांचे का समर्थन किया था और उस पर मगरमच्छ के आँसू बहाए थे–वे कैसे गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं।

योगी ने कहा कि कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलवाईं।

अहमदाबाद सीरियल बम धमाका: गुजरात हाई कोर्ट का फैसला, 38 आतंकियों की फांसी और 11 की उम्रकैद की सजा बरकरार

गुजरात, 07 जुलाई। गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को एक बेहद ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए साल 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में निचली अदालत के फैसले पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी है। अदालत ने इस जघन्य आतंकी हमले के सभी 38 दोषियों की मौत की सजा (उंम्र३' ढ४ल्लरैंल्ल३) को बरकरार रखा है। इसके साथ ही मामले में दोषी पाए गए अन्य 11 आतंकवादियों की उम्रकैद की सजा भी जारी रहेगी। हाई कोर्ट ने इस फैसले के जरिए आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' का कड़ा संदेश दिया है। सीरियल ब्लास्ट केस में, गुजरात हाई कोर्ट ने मारे गए 56 लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये और 200 से ज्यादा घायल पीड़ितों को 1

लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।26 जुलाई 2008 को, अहमदाबाद में लगभग 70 मिनट के अंदर 20 जगहों पर 21 सीरियल बम धमाके हुए, जिससे पूरे शहर में दहशत फैल गई। इस आतंकी हमले में 56 लोगों की मौत हो गई, जबकि धमाकों में 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए।इस्लामिक आतंकी संगठन हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली थी। इस बीच, दिल्ली के लाल किले में हुए धमाके के मामले में भी एक और जांच चल रही है, जिसमें नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने धमाके में मारे गए लोगों के शरीर के अंगों से जुड़ी फोरेंसिक रिपोर्ट दाखिल की है।कोर्ट ने फोरेंसिक रिपोर्ट की जांच के लिए मामले को लिस्ट किया। NIA के मुताबिक, तेज धमाके वाले VBIED (गाड़ी में रखे गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• MHT-CET
• NEET
• Polytechnic & Engg
• JEE (Main & Advance)
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मिलावट है भारत के सपनों पर विषनुमा दाग

-ललित गर्ग

भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। आधुनिक राजमार्ग, बुलेट ट्रेन, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष में नई उपलब्धियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति निश्चय ही गौरव का विषय हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा कलंक है, जो इस समस्त प्रगति के माथे पर काले धब्बे की तरह दिखाई देता है-मिलावट। यह केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व में आई मिलावट का भी प्रतीक है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि एक ओर चिकित्सक रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध, घी, फल, पनीर और पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में वही दूध डिटर्जेंट और यूरिया से भरा मिलता है, घी में जानलेवा रसायन मिलते हैं, फलों को जहरीले रसायनों से पकाया जाता है और दवाइयों तक में नकलीपन प्रवेश कर चुका है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर स्वस्थ जीवन की आशा किससे की जाए? नये भारत, विकसित भारत एवं मजबूत भारत का सबसे बड़ा हो-मिलावट-मुक्त भारत।

यह विडंबना केवल उपभोक्ता की नहीं, पूरे राष्ट्र की है। जिस देश की संस्कृति अन्नं ब्रह्म और सर्वे भवन्तु सुखिनः का संदेश देती हो, वहां भोजन ही यदि विष बन जाए तो इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है? हाल के ही दिनों में देश के विभिन्न भागों से मिलावट के अनेक भयावह मामले

सामने आए हैं। कहीं हजारों लीटर नकली दूध पकड़ा जाता है, कहीं करोड़ों रुपये का नकली शहद, कहीं मिलावटी घी, मावा और मसाले बरामद होते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जीवन बचाने वाली दवाइयों में भी नकली और घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। जो व्यक्ति लाभ कमाने के लिए किसी बच्चे, गर्भवती महिला, वृद्ध या बीमार व्यक्ति के भोजन और दवा में जहर घोल देता है, वह केवल व्यापारी नहीं, समाज का अपराधी है।

दरअसल, मिलावट का सबसे बड़ा कारण केवल आर्थिक लालच नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। पहले समाज में यह भावना थी कि दूसरों को कष्ट देकर कभी सुख नहीं मिल सकता। लोग ईश्वर, धर्म और समाज की नैतिक मयार्दाओं से डरते थे। आज परिस्थितियां बदल गई हैं। त्वरित धन अर्जित करने की अंधी दौड़ ने संवेदनाओं को कुचल दिया है। अब कुछ लोगों के लिए मुनाफा ही धर्म बन गया है, चाहे उसकी कीमत किसी की जान क्यों न हो। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, किडनी, लीवर, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बोझ बढ़ता है, परिवार आर्थिक संकट में फंसते हैं और राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। दूसरी ओर, जब भारतीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और तेज आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा, उसके लिए स्वस्थ नागरिक और शुद्ध खाद्य व्यवस्था अनिवार्य है। विडंबना यह भी है कि हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, निरीक्षण तंत्र और विभिन्न एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी मिलावट का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार, निरीक्षण व्यवस्था की कमजोरी, मुकदमों में देरी और दंड का अभाव है। त्योहारों पर कुछ छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े नेटवर्क अक्सर बच निकलते हैं। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक यह विषैला कारोबार समाप्त नहीं होगा। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित हों। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। नकली दवाइयों और मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं, ताकि कुछ महीनों के भीतर दोषियों को सजा मिल सके। ऐसे अपराधों को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि ह्यजनस्वास्थ्य के विरुद्ध जघन्य अपराधह्व घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन केवल सरकार सब कुछ नहीं कर सकती। समाज की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को जागरूक बनना होगा। प्रमाणित उत्पादों का उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत, स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नैतिक शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज मिलावट को केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार योग्य कृत्य मानने लगे, तो इस बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं होता। विकसित राष्ट्र वह है जहां नागरिक बिना भय के भोजन कर सकें, जहां दवा जीवन बचाए, जहां व्यापार विश्वास पर आधारित हो और जहां ईमानदारी आर्थिक सफलता का आधार बने। जापान, जर्मनी और अनेक विकसित देशों की सफलता का रहस्य केवल तकनीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नैतिक अनुशासन भी है। भारत यदि विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, तो उसे सबसे पहले अपने बाजार को विश्वास का बाजार बनाना होगा। आज आवश्यकता एक नए राष्ट्रीय अभियान की है-मिलावट-मुक्त भारत अभियान। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन की शुरूआत की, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनचेतना का अभियान बने। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह न मिलावट करेगा, न मिलावट को बढ़ावा देगा और न ही मिलावट करने वालों को सामाजिक सम्मान देगा। हमें यह भी समझना होगा कि मिलावट केवल किसी दूसरे के परिवार को नहीं, अंततः पूरे समाज को नुकसान पहुंचाती है। जो व्यापारी आज मिलावट कर रहा है, उसका अपना परिवार भी इसी समाज में रहता है। उसके बच्चे भी इसी हवा में सांस लेते हैं, इसी बाजार से वस्तुएं खरीदते हैं। इसलिए मिलावट वास्तव में दूसरों के लिए नहीं, अपने ही भविष्य के लिए जहर तैयार करना है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी पहचान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि शुद्धता, विश्वसनीयता और नैतिकता से होगी। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां दूध में दूध हो, दवा में दवा हो, भोजन में जीवन हो और व्यापार में विश्वास हो। यही सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी। इसलिए सरकार कठोर कानून बनाए, प्रशासन निर्भीक कार्रवाई करे, न्यायपालिका त्वरित दंड सुनिश्चित करे और समाज नैतिक जागरण का बिगुल फूंके। आइए, आज ही संकल्प लें-शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार। मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार। यही संकल्प 2047 के भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक, स्वस्थ और विश्वसनीय राष्ट्र भी बनाएगा।

उच्च सदन का नया भूगोल, बंगाल का भूचाल और एनडीए का 'दो-तिहाई' चक्रव्यूह

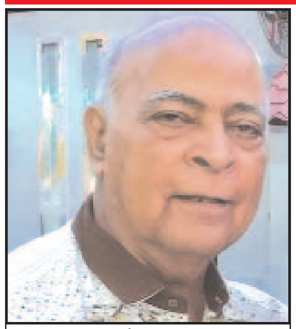

अशोक भाटिया

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यसभा (उच्च सदन) को हमेशा से राज्यों के प्रतिनिधित्व और विधायी संतुलन के केंद्र के रूप में देखा गया है। हाल ही में पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव परिणामों और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस में मचे अभूतपूर्व राजनीतिक घमासान के बाद संसद के इस ऊपरी सदन का भूगोल पूरी तरह बदल चुका है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपनी स्थिति को सुदृढ़ करते हुए दो-तिहाई बहुमत की दहलीज पर दस्तक दे दी है। वर्तमान संख्या बल को देखें तो एनडीए दो-तिहाई के जादुई आंकड़े से महज 9 से 11 सीटें दूर खड़ा है। इस राजनीतिक सफर का सबसे अहम मोर्चा दिल्ली नहीं, बल्कि कोलकाता बन चुका है, जहां से राज्यसभा के समीकरण तय हो रहे हैं।

ज्ञात हो कि राज्यसभा की कुल प्रभावी सदस्य संख्या 245 है। सामान्य विधेयकों को पारित कराने के लिए 123 सदस्यों के साधारण बहुमत की आवश्यकता होती है, जिससे एनडीए बहुत पहले ही आगे निकल चुका है। हाल ही में विपक्षी खेमे से हुए दलबदल और क्षेत्रीय दलों के रुख के बाद एनडीए की अपनी ताकत बढ़कर लगभग 141 हो गई है।

यदि इसमें सरकार के अनुकूल रुख रखने वाले निर्दलीय और राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्यों को जोड़ दिया जाए, तो सत्ता पक्ष के पास 152 से 155 सांसदों का ठोस समर्थन दिखाई देता है। इसके विपरीत, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी 'इन्डिया' गठबंधन कमजोर होकर महज 64 सीटों पर सिमट गया है। दो-तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक 163-164 के आंकड़े को छूने के लिए अब सरकार को केवल कुछ और सीटों की दरकार है, और यह राह बंगाल के रास्ते खुलती दिख रही है।

इस पूरे संख्या बल में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ पश्चिम बंगाल से आया है। हालिया विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर उठे सवालों के बीच टीएमसी के तीन वरिष्ठ राज्यसभा सांसदों–सुखेंदु शेखर रॉय, सुस्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक–ने जून में उच्च सदन और पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया।

भारत निर्वाचन आयोग ने बंगाल की इन तीन खाली सीटों पर 24 जुलाई को उपचुनाव कराने का ऐलान किया है। चूंकि पश्चिम बंगाल विधानसभा में अब भाजपा के पास 208 विधायकों का भारी बहुमत है, इसलिए गणितीय रूप से यह बिल्कुल साफ है कि ये तीनों सीटें सीधे तौर पर भाजपा (एनडीए) के खाते में जा रही हैं। यह टीएमसी के लिए संसदीय स्तर पर अब तक का सबसे बड़ा झटका है और एनडीए के लिए अपने दम पर सीटों की संख्या 154 तक पहुंचाने का सीधा रास्ता। इसके अलावा, टीएमसी के लोकसभा सांसदों में भी बड़ी बगावत की खबरें हैं, जिसने विपक्षी खेमे के मनोबल को पूरी तरह तोड़ दिया है।[

गौरतलब है कि साधारण विधायी कार्यों के लिए तो सरकार को कोई चुनौती नहीं है, लेकिन एनडीए का असली लक्ष्य दो-तिहाई बहुमत (कम से कम 163 सीटें) हासिल करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत किसी भी संवैधानिक संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से पारित होना अनिवार्य है।

सरकार के एजेंडे में कई ऐसे बड़े और दूरगामी सुधार शामिल हैं, जिनके लिए संविधान में संशोधन करना आवश्यक है। इनमें शामिल हैं:'एक देश, एक चुनाव' देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव।लोकसभा सीटों का नया परिसीमनः नए संसद भवन की क्षमता के अनुरूप लोकसभा सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 तक करने की योजना। महिला आरक्षण का पूर्ण क्रियान्वयनः वर्ष 2029 से पहले महिलाओं के लिए विधायी सीटों के आरक्षण को जमीन पर उतारना।

इन ऐतिहासिक विधेयकों को कानून का रूप देने के लिए राज्यसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पार करना मोदी सरकार के लिए अनिवार्य बन चुका है, और बंगाल की तीन सीटें इस दिशा में पहला मजबूत कदम हैं।

बंगाल उपचुनावों के बाद भी दो-तिहाई के लक्ष्य से जो 9 सीटों की दूरी बचेगी, उसे पाटने के लिए भाजपा के रणनीतिकार निर्दलीय और क्षेत्रीय दलों पर नजरें टिकाए हुए हैं। राज्यसभा के इस चक्रव्यूह में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सबसे बड़े 'किंगमेकर' की भूमिका में हैं। बीजेडी के पास 6 और वाईएसआरसीपी के पास 7 सीटें हैं। हालांकि ये दल एनडीए का औपचारिक हिस्सा नहीं हैं, लेकिन राष्ट्रीय महत्व और विकास से जुड़े मुद्दों पर इनका झुकाव अक्सर सरकार के पक्ष में रहा है। यदि किसी संवेदनशील संविधान संशोधन बिल पर इन दोनों दलों का परोक्ष या प्रत्यक्ष समर्थन मिल जाता है, तो एनडीए का आंकड़ा आसानी से 164 को पार कर जाएगा। एनडीए के लिए यह राह पूरी तरह बाधा रहित नहीं है। राज्यसभा की संरचना ऐसी है कि यह कभी पूरी तरह भंग नहीं होती और हर दो वर्ष में इसके एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं। इसी राजनीतिक चक्र के तहत, वर्ष के उत्तरार्ध (विशेषकर नवंबर) में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 10 सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी की मौजूदा मजबूत स्थिति को देखते हुए यह तय माना जा रहा है कि इन 10 सीटों में से कुछ सीटें सपा के खाते में जाएंगी। इसका सीधा असर यह होगा कि नवंबर के बाद राज्यसभा में एनडीए की ताकत में मामूली गिरावट आ सकती है और दो-तिहाई से उसकी दूरी फिर से बढ़ सकती है। यही कारण है कि भाजपा बंगाल जैसे राज्यों से मिलने वाली हर एक सीट को अपने पाले में सुरक्षित करने के लिए इतनी आक्रामक रणनीति अपना रही है।

राज्यसभा में बंगाल के रास्ते दो-तिहाई बहुमत के बेहद करीब पहुंचने के बाद भी सरकार के सामने एक बड़ा संवैधानिक विरोधाभास खड़ा है। संविधान संशोधन के लिए केवल राज्यसभा में ही नहीं, बल्कि लोकसभा (निचले सदन) में भी दो-तिहाई बहुमत (363 सीटें) की आवश्यकता होती है। भले ही राज्यसभा में एनडीए विपक्षी गठबंधन को पछाड़कर जादुई आंकड़े के करीब पहुंच रहा हो, लेकिन लोकसभा में उसकी दलीय स्थिति ऐसी नहीं है कि वह अपने दम पर या वर्तमान सहयोगियों के साथ मिलकर 363 का आंकड़ा छू सके। बंगाल में टीएमसी की टूट से लोकसभा में सरकार को वॉकओवर जैसा समर्थन मिल सकता है, लेकिन फिर भी पूर्ण दो-तिहाई के लिए विपक्ष के बड़े हिस्से को साथ लेना होगा।

राज्यसभा में एनडीए का दो-तिहाई बहुमत के करीब पहुंचना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विधायी एजेंडे के लिए एक बड़ी मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक जीत है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बंगाल जैसे विपरीत गढ़ों में राजनीतिक बदलाव का सीधा असर राष्ट्रीय स्तर के विधायी समीकरणों पर पड़ता है। हालांकि, लोकतंत्र की खूबसूरती इसके संतुलन में है। 9 से 11 सीटों की यह दूरी एनडीए को पूरी तरह 'एकतरफा' फैसले लेने से रोकती है और उसे क्षेत्रीय आकांक्षाओं का सम्मान करने पर मजबूर करती है।

आने वाले महीनों में संसद का गलियारा तीखी बहसों, रणनीतिक गठबंधनों और राजनीतिक सौदेबाजी का गवाह बनेगा। देश की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सरकार इस विधायी बढ़त का उपयोग देश के व्यापक विकास और दूरगामी संवैधानिक सुधारों के लिए किस तरह करती है।

पतियों की हत्या के बढ़ते मामले

-महेन्द्र तिवारी

भारत में विवाह को केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि विश्वास, समर्पण, सहयोग और आजीवन साथ निभाने का पवित्र बंधन माना गया है। भारतीय संस्कृति में पति और पत्नी को एक दूसरे का पूरक समझा गया है, जो जीवन की हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ निभाते हैं। यही कारण है कि विवाह संस्था सदियों से भारतीय समाज की सबसे मजबूत नींव रही है। किंतु बदलते समय में अनेक ऐसे घटनाक्रम सामने आ रहे हैं जिन्होंने इस विश्वास को गहरी चोट पहुँचाई है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें पत्नियों पर अपने ही पतियों की हत्या का आरोप लगा। इन घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है और लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर रिश्तों में ऐसा कौन सा परिवर्तन आ गया है कि जीवनसाथी ही जीवन का सबसे बड़ा शत्रु बनता जा रहा है।

इस विषय पर चर्चा करते समय तथ्यों की शुद्धता अत्यंत आवश्यक है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो पति की हत्या पत्नी द्वारा किए जाने की अलग राष्ट्रीय श्रेणी प्रकाशित नहीं करता। इसलिए पूरे देश के लिए कोई आधिकारिक संख्या उपलब्ध नहीं है। कुछ स्वतंत्र अध्ययनों और पाँच राज्यों के संकलित मामलों के आधार पर वर्ष 2020 से 2024 के बीच लगभग 785 ऐसे मामले सामने आने का उल्लेख किया गया है, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि राष्ट्रीय स्तर पर वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। इन अनुमानों को अंतिम या आधिकारिक आँकड़ा नहीं माना जा सकता, लेकिन इतना अवश्य स्पष्ट है कि ऐसी घटनाएँ समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं।

इन घटनाओं का सबसे बड़ा

- महेन्द्र तिवारी

प्रभाव विवाह जैसी पवित्र संस्था पर पड़ता है। विवाह का आधार विश्वास होता है। यदि पति और पत्नी के बीच विश्वास समाप्त हो जाए तो केवल एक परिवार ही नहीं टूटता बल्कि समाज की मूल संरचना भी कमजोर होने लगती है। जब लोग यह सुनते हैं कि किसी पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी या किसी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी, तो उनके मन में विवाह के प्रति भय और असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है। युवा पीढ़ी के सामने विवाह का आदर्श स्वरूप धुंधला पड़ने लगता है और यह धारणा बनने लगती है कि वैवाहिक जीवन अब पहले जैसा सुरक्षित और स्थिर नहीं रहा।

अधिकांश मामलों का अध्ययन बताता है कि ऐसे अपराध किसी एक कारण से नहीं होते। कई मामलों में विवाहेतर संबंध, पारिवारिक विवाद, आर्थिक तनाव, संपत्ति का विवाद, लंबे समय से चला आ रहा वैवाहिक तनाव, आपसी अविश्वास और प्रतिशोध जैसी परिस्थितियाँ सामने आती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हत्या के मामलों के उद्देश्यों में भी पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत दुश्मनी, प्रेम संबंध और अवैध संबंध महत्वपूर्ण कारणों में शामिल पाए गए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि परिवार के भीतर पैदा होने वाले विवाद यदि समय रहते नहीं सुलझाए जाएँ तो वे कभी-कभी अत्यंत हिंसक रूप धारण कर सकते हैं। यह भी समझना आवश्यक है कि हर वैवाहिक विवाद हत्या में परिवर्तित नहीं होता। अधिकांश परिवार कठिन परिस्थितियों के बावजूद बातचीत, समझौते, पारिवारिक सहयोग और कानूनी उपायों के माध्यम से अपने मतभेद सुलझा लेते हैं। इसलिए कुछ जघन्य घटनाओं के आधार पर पूरे समाज या किसी एक लिंग के प्रति नकारात्मक धारणा बनाना उचित नहीं होगा। अपराधी का मूल्यांकन उसके अपराध के आधार पर होना चाहिए, उसके लिंग के आधार पर नहीं।

इन घटनाओं का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। जब किसी परिवार में एक अभिभावक की हत्या हो जाती है और दूसरा जेल चला जाता है, तब बच्चे एक साथ माता और पिता दोनों का सहारा खो देते हैं। उनके सामने आर्थिक, सामाजिक और मानसिक संकट खड़ा हो जाता है। वे लंबे समय तक भय, अवसाद, असुरक्षा और सामाजिक उपेक्षा का सामना करते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि बचपन में इस प्रकार का आघात व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित कर सकता है। ऐसे बच्चे पढ़ाई, सामाजिक संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य में गंभीर कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं। समाज के स्तर पर भी इन घटनाओं के दूरगामी परिणाम दिखाई देते हैं। जब परिवारों के भीतर हिंसा बढ़ती है तो सामाजिक विश्वास कमजोर होता है। पड़ोसी, रिश्तेदार और मित्र भी वैवाहिक संबंधों को संदेह की दृष्टि से देखने लगते हैं। समाज में अविश्वास का वातावरण बनने लगता है। यह स्थिति केवल पति पत्नी तक सीमित नहीं रहती बल्कि अगली पीढ़ी तक पहुँचती है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि वे हिंसा, धोखे और प्रतिशोध को सामान्य व्यवहार के रूप में देखने लगेंगे तो समाज में संवेदनशीलता और सहिष्णुता का स्तर लगातार घटेगा।

आज का डिजिटल युग भी रिश्तों को नई चुनौतियाँ दे रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को अभूतपूर्व संवाद के अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही कई नई समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं। कभी-कभी आभासी संबंध वास्तविक संबंधों पर भारी पड़ने लगते हैं। पति पत्नी के बीच संवाद कम होता जाता है और गलतफहमियाँ बढ़ती जाती हैं। कई बार छोटी बातों को समय रहते सुलझाया नहीं जाता, जिससे तनाव गहराता जाता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल सोशल मीडिया ही अपराधों का कारण है, लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि यदि इसका उपयोग संयम और जिम्मेदारी से न किया जाए तो यह पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। भौतिकवादी जीवनशैली भी एक महत्वपूर्ण चुनौती बनकर उभरी है। आज सफलता और आर्थिक उपलब्धि को जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य माना जाने लगा है। व्यस्त जीवन के कारण परिवार के सदस्यों के पास एक दूसरे के लिए समय कम होता जा रहा है। संवाद की कमी धीरे-धीरे भावनात्मक दूरी में बदल जाती है। जब मन की बातें साझा नहीं होतीं, तब संदेह, क्रोध और असंतोष जन्म लेते हैं। यदि इनका समाधान समय रहते न किया जाए तो वे गंभीर विवाद का रूप ले सकते हैं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भारत में घरेलू हिंसा और वैवाहिक अपराधों के शिकार पुरुष और महिलाएँ दोनों होते हैं। महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा, दहेज मृत्यु और क्रूरता के मामले भी बड़ी संख्या में दर्ज होते हैं। इसलिए समाधान किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने में नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज में स्वस्थ संबंधों की संस्कृति विकसित करने में है।

यदि किसी पति पत्नी के बीच संबंध इतने खराब हो जाएँ कि साथ रहना असंभव हो जाए, तो कानून ने उनके लिए अलग होने का सम्मानजनक और शांतिपूर्ण मार्ग उपलब्ध कराया है। आपसी सहमति से अलग होना, न्यायालय की सहायता लेना, पारिवारिक परामर्श लेना और कानूनी प्रक्रिया अपनाना किसी भी प्रकार की हिंसा से कहीं बेहतर विकल्प हैं। किसी भी परिस्थिति में हत्या न तो समस्या का समाधान है और न ही किसी प्रकार से उचित ठहराई जा सकती है।

समाज को इस दिशा में कई स्तरों पर कार्य करना होगा। सबसे पहले परिवारों में संवाद की संस्कृति विकसित करनी होगी। पति पत्नी को एक दूसरे की बात धैर्यपूर्वक सुनने और समझने की आदत विकसित करनी चाहिए। विवाह पूर्व और विवाहोपरांत परामर्श सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए ताकि दंपति संबंधों की वास्तविक चुनौतियों को समझ सकें। परिवार के बुजुर्गों को भी केवल निर्णय सुनाने के बजाय मध्यस्थ की भूमिका निभानी चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था में भी नैतिक मूल्यों और भावनात्मक शिक्षा को अधिक महत्व देना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल परीक्षा और रोजगार की तैयारी नहीं बल्कि संवाद कौशल, क्रोध नियंत्रण, सहानुभूति, पारस्परिक सम्मान और संघर्ष समाधान जैसे जीवन कौशल भी सिखाए जाने चाहिए। यदि अगली पीढ़ी भावनात्मक रूप से अधिक परिपक्व होगी तो भविष्य में ऐसे अपराधों की संभावना भी कम होगी। कानूनी व्यवस्था को भी प्रभावी बनाना आवश्यक है। हत्या जैसे मामलों की निष्पक्ष और शीघ्र जाँच होनी चाहिए। दोषियों को समय पर न्यायालय से दंड मिले ताकि समाज में कानून के प्रति विश्वास बना रहे। साथ ही निर्दोष व्यक्ति को किसी भी प्रकार के झूठे आरोप से बचाना भी उतना ही आवश्यक है। न्याय तभी सार्थक है जब वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध हो।

मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपराधों को सनसनी बनाकर प्रस्तुत करने के बजाय उनके सामाजिक और मानवीय परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। यदि समाचारों में केवल रोमांच और सनसनी दिखाई जाएगी तो समाज समस्या की गंभीरता को सही रूप में नहीं समझ पाएगा। मीडिया को समाधान, जागरूकता और पारिवारिक मूल्यों को भी उतना ही महत्व देना चाहिए।

अंततः यह कहा जा सकता है कि पति की हत्या पत्नी द्वारा किए जाने के मामले हों या पत्नी की हत्या पति द्वारा, दोनों ही समाज के लिए समान रूप से गंभीर और दुखद हैं। उपलब्ध अध्ययनों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान लगभग 785 मामलों का उल्लेख पाँच राज्यों के संदर्भ में मिलता है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर इस विषय का अलग आधिकारिक आँकड़ा उपलब्ध नहीं है। फिर भी प्रत्येक ऐसी घटना इस बात का संकेत है कि कुछ परिवारों में संवाद, विश्वास और संवेदनशीलता का संकट गहराता जा रहा है। यदि समाज समय रहते इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लेता तो इसका परिणाम केवल अपराधों की संख्या बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका सबसे बड़ा नुकसान विश्वास, परिवार और सामाजिक एकता को होगा। रिश्तों में प्रेम की जगह संदेह, सहयोग की जगह संघर्ष और संवाद की जगह हिंसा ले सकती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि परिवारों को मजबूत बनाया जाए, नैतिक मूल्यों को पुनर्जीवित किया जाए, कानूनी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए और हर व्यक्ति को यह समझाया जाए कि किसी भी मतभेद का समाधान हिंसा नहीं बल्कि संवाद, धैर्य और कानून के दायरे में ही संभव है। यही वह मार्ग है जो समाज को भय और अविश्वास से निकालकर विश्वास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं की ओर ले जा सकता है।

बदलते समाज का आईना : विकास की दौड़ में कहीं खो तो नहीं रही इंसानियत?

कहा जाता है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और आधुनिक तकनीक से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, संस्कार और संवेदनशीलता से मापी जाती है। आज भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, डिजिटल क्रांति से लेकर आधारभूत संरचना तक, हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दिखाई देती हैं। यह निस्संदेह गर्व का विषय है। किन्तु इसी उजाले के बीच कुछ ऐसे अंधेरे भी हैं, जिन्हें अनदेखा करना भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि समाज में मानवीय संवेदनाएँ क्षीण होती जाएँ, रिश्तों में आत्मीयता समाप्त हो जाए, नैतिकता केवल पुस्तकों तक सीमित रह जाए और व्यक्ति केवल अपने स्वार्थ तक सिमट जाए, तो विकास की यह चमक भीतर से खोखली प्रतीत होने लगती है। आज का मनुष्य पहले की अपेक्षा अधिक शिक्षित है, अधिक संपन्न है और अधिक सुविधासंपन्न भी है। लेकिन क्या वह अधिक संतुष्ट है? क्या वह अधिक शांत है? क्या वह अधिक मानवीय है? इन प्रश्नों का उत्तर खोजने के लिए हमें अपने आसपास ही देखने की आवश्यकता है। आज परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग दिनभर मोबाइल और स्क्रीन की दुनिया में खोए रहते हैं। माता-पिता के पास बच्चों के लिए समय नहीं, बच्चों के पास बुजुर्गों के लिए धैर्य नहीं, और परिवार के पास एक-दूसरे के लिए अपनापन नहीं। संयुक्त परिवारों की परंपरा टूटने के साथ सामाजिक सुरक्षा का एक मजबूत आधार भी कमजोर हुआ है। बाजारवाद ने हमारी जीवनशैली को गहराई से प्रभावित किया है। अब व्यक्ति की पहचान उसके व्यक्तित्व से कम और उसके उपभोग से अधिक होने लगी है। सफलता का अर्थ सेवा नहीं, बल्कि प्रदर्शन समझ लिया गया है। महँगे वस्त्र, बड़ी गाड़ियाँ और आलीशान मकान सम्मान के प्रतीक बन गए हैं, जबकि ईमानदारी, सादगी और विनम्रता जैसे गुण धीरे-धीरे चर्चा से बाहर होते जा

-विक्रम दयाल

रहे हैं। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व अवसर दिया है, लेकिन उसी के साथ तुलना, दिखावा और आभासी जीवन की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। लोग अपने सुख का प्रदर्शन करते हैं, पर अपने दुख छिपाते हैं। परिणामस्वरूप अनेक युवा स्वयं को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं। मानसिक तनाव, अवसाद और अकेलापन आधुनिक समाज की गंभीर चुनौतियाँ बनते जा रहे हैं। सबसे चिंताजनक परिवर्तन सामाजिक संवेदनशीलता में दिखाई देता है। किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने के बजाय लोग वीडियो बनाने लगते हैं। किसी निर्धन की पीड़ा देखकर कुछ क्षणों की सहानुभूति तो व्यक्त की जाती है, पर स्थायी समाधान के लिए बहुत कम लोग आगे आते हैं। ऐसा लगता है जैसे हमारे भीतर की करुणा धीरे-धीरे सुविधाओं के बोझ तले दबती जा रही है। शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। यदि विद्यालय केवल सफल कर्मचारी तैयार करें, लेकिन जिम्मेदार नागरिक न बना सकें, तो शिक्षा अधूरी रह जाएगी। बच्चों को प्रतियोगिता के साथ सहयोग, अधिकारों के साथ कर्तव्य और ज्ञान के साथ चरित्र का महत्व भी सिखाना होगा। पर्यावरण की उपेक्षा भी सामाजिक असंवेदनशीलता का ही परिणाम है। हम विकास चाहते हैं, लेकिन पेड़ों को काटकर; उद्योग चाहते हैं, लेकिन नदियों को प्रदूषित करके; आधुनिक शहर चाहते हैं, लेकिन स्वच्छ हवा की कीमत पर। प्रकृति से संघर्ष करके कोई भी समाज लंबे समय तक समृद्ध नहीं रह सकता। फिर भी आशा का दीप बुझा नहीं है। देश के अनेक युवा निस्वार्थ सेवा के कार्यों में लगे हैं। कोई गरीब बच्चों को पढ़ा रहा है, कोई रक्तदान कर रहा है, कोई वृक्षारोपण का अभियान चला रहा है, तो कोई आपदा के समय बिना किसी पहचान की इच्छा के लोगों की सहायता कर रहा है। यही लोग भारत की वास्तविक शक्ति हैं। यही वे नागरिक हैं जो बताते हैं कि इंसानियत अभी जीवित है। आज आवश्यकता किसी एक व्यक्ति के बदलने की नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक जागरण की है। परिवारों में संवाद लौटे, विद्यालयों में संस्कारों का वातावरण बने, समाज में सेवा का सम्मान बढ़े, राजनीति में मयार्दा आए, मीडिया सकारात्मक प्रेरणाओं को स्थान दे और प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह अपने आसपास कम-से-कम एक जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करेगा। भारत की संस्कृति ने सदैव मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया है। ₹वसुधैव कुटुम्बकम₹ केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। ₹सर्वे भवन्तु सुखिनः₹ केवल प्रार्थना नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश है। यदि हम इन आदर्शों को आधुनिक जीवन से जोड़ दें, तो विकास और मानवीयता साथ-साथ चल सकते हैं। आज समय हमसे प्रश्न कर रहा है– क्या हम केवल आधुनिक भारत का निर्माण कर रहे हैं, या एक संवेदनशील भारत का भी? क्या हमारी प्रगति के साथ हमारे मूल्य भी आगे बढ़ रहे हैं? क्या हमारी सफलता में समाज का हित भी शामिल है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर ₹हाँ₹ नहीं है, तो अभी भी समय है आत्ममंथन का। क्योंकि इतिहास यह नहीं याद रखता कि किसी समाज के पास कितनी संपत्ति थी; इतिहास यह याद रखता है कि उस समाज ने अपने सबसे कमजोर, सबसे गरीब और सबसे असहाय व्यक्ति के साथ कैसा व्यवहार किया। आइए, हम ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें जहाँ विज्ञान हो, पर विवेक भी हो; शक्ति हो, पर शालीनता भी हो; समृद्धि हो, पर संवेदना भी हो; विकास हो, पर इंसानियत कभी पीछे न छूटे। यही राष्ट्र निर्माण का मार्ग है। यही सामाजिक चेतना का वास्तविक स्वरूप है। और यही वह विरासत है जिसे आने वाली पीढ़ियाँ गर्व के साथ अपनाएँगी।

रेड अलर्ट के बीच पालघर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में जारी रेड अलर्ट और लगातार हो रही मूसलधार बारिश के मद्देनजर पालघर जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और मजबूत कर दिया है। जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष डॉ. इंदु रानी जाखड़ की अध्यक्षता में सभी प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें बारिश से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला परिषद, महावितरण, लोक निर्माण विभाग , जलापूर्ति, स्वास्थ्य, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, पशुसंवर्धन, शिक्षा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रहते हुए आवश्यक सेवाओं को बिना बाधा जारी रखने और आपसी समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महावितरण को अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों , राहत शिविरों तथा अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों में प्राथमिकता के आधार पर बिजली आपूर्ति बहाल रखने, सब-स्टेशनों की निगरानी बढ़ाने तथा मोबाइल नेटवर्क टावरों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं लोक निर्माण विभाग और जिला परिषद को क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत, जलभराव हटाने और गिरे हुए पेड़ों एवं अन्य अवरोधों को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए गये।

जिलाधिकारी ने की आपदा प्रबंधन तैयारियों की समीक्षा

स्वास्थ्य विभाग ने महामारी नियंत्रण किट तैयार रखी है तथा जलजनित व मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक दवाइयों, कीटनाशकों एवं स्वच्छता सामग्री का पर्याप्त भंडार उपलब्ध कराया है। प्रशासन ने सभी ग्रामीण अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित की है। साथ ही बारिश के बाद पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच भी की जायेगी।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने जिले में पर्याप्त अनाज उपलब्ध होने की जानकारी दी। प्रभावित परिवारों तक समय पर राशन एवं आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने के निर्देश जारी किये गये हैं। नगर परिषदों, विशेषकर पालघर और दहानू नगर परिषद को नालों की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था मजबूत करने तथा शहरी क्षेत्रों में जलभराव रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गये।

तहसीलदारों एवं उपविभागीय अधिकारियों को मकानों और कृषि फसलों के नुकसान का पंचनामा निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गये है। पशुसंवर्धन विभाग को पशुधन की हानि का आकलन करने तथा मछुआरों की क्षतिग्रस्त नौकाओं का सर्वे कर पात्र लाभार्थियों को सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया है।

जिला आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे कार्यरत है। राहत केंद्रों में भोजन, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ विस्थापित लोगों की नियमित स्वास्थ्य जांच के निर्देश दिए गये हैं। शिक्षा विभाग को भी आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन सहायता के लिए शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक निर्देशों का पालन करने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कल्याण के पिसवली में जलभराव से लोगों का जीना मुश्किल, नाले का प्राकृतिक प्रवाह बदलने का आरोप

कल्याण (उत्तरशक्ति)। वली प्रभाग क्रमांक 17 स्थित श्री मलंग रोड पर होटल फिफ्टी-फिफ्टी के पीछे स्थित एकता नगर में लगातार जलभराव से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बरसात पूर्व नाले की सफाई संतोषजनक तरीके से नहीं की गई, जिसके कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। नागरिकों का कहना है कि अडीवली क्षेत्र का वर्षा जल भी अव्यवस्थित रूप से इसी इलाके में आता है। इसके अलावा, एम्पायर सिटी नामक बिल्डर पर आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान पानी निकासी के मुख्य बड़े नाले का मूल प्रवाह बदल दिया गया और नाले को संकरा कर दिया गया। इसके चलते पिछले वर्ष जिन इलाकों में पानी नहीं भरता था, वहां भी इस बार जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। श्रीकृपा चॉल, रागाई बिल्डिंग तथा आसपास की चॉलों में पिछले पांच दिनों से पानी जमा है। जलभराव के कारण बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। सड़क और बाढ़ का पानी एक समान दिखाई देने से दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि महापौर, शहर अभियंता और कल्याण ग्रामीण के विधायक ने क्षेत्र का दौरा कर केवल निरीक्षण और फोटो खिंचवाए, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि केवल औपचारिक दौरे करने के बजाय जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। साथ ही नाले की सफाई करने वाले ठेकेदार और एम्पायर सिटी बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुख्य नाले को तत्काल उसके मूल स्वरूप में बहाल किया जाए। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो प्रशासन को नागरिकों के आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है।

कंटेनर वेसल डीपी वर्ल्ड इंडस के अधिग्रहण के साथ डीपी वर्ल्ड ने भारत में अपने कोस्टल शिपिंग नेटवर्क का विस्तार किया

नवी मुंबई। डीपी वर्ल्ड के मरीन सर्विसेज बिजनेस शिपिंग सॉल्यूशंस ने डीपी वर्ल्ड इंडस का अधिग्रहण करते हुए अपने फ्लीट का विस्तार किया है। डीपी वर्ल्ड इंडस 2,500+ टीईयू वाला कंटेनर वेसल है। इससे पूरे भारत में घरेलू कोस्टल ट्रेड (तटीय व्यापार) को सपोर्ट मिलेगा। डीपी वर्ल्ड इंडस के अधिग्रहण से भारत में शिपिंग सॉल्यूशंस की तटीय परिवहन क्षमताओं को और मजबूती मिली है। इससे प्रमुख भारतीय बंदरगाहों के बीच भरोसेमंद, एफिशिएंट और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से कार्गो ट्रांसपोर्टेशन करने की कंपनी की क्षमता बेहतर हुई है। तटीय परिवहन के जरिये कार्गो मूवमेंट को सपोर्ट करते हुए इस वेसल से सड़क नेटवर्क पर दबाव को कम करने के साथ-साथ ज्यादा रेजिलिएंट और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सप्लाई चेन के निर्माण में मदद मिलेगी। अभी भारत में डीपी वर्ल्ड का शिपिंग सॉल्यूशंस कोस्टल नेटवर्क 14 बंदरगाहों तक फैला है और इसमें कुल 10 वेसल्स की डेडिकेटेड फ्लीट है। 2025 में अपने कोस्टल शिपिंग ऑपरेशंस के माध्यम से कंपनी ने 4,73,000 टीईयू से ज्यादा की हैंडलिंग की थी। डीपी वर्ल्ड के मरीन सर्विसेज के ग्लोबल चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर गणेश राज ने कहा, भारत में कोस्टल शिपिंग सेक्टर के माध्यम से सप्लाई चेन की क्षमता को बेहतर बनाने और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का एक बड़ा अवसर मिल सकता है। हमने 2025 में अपनी रिपोर्ट ह्यएनहांसिंग इंडियाज शिप रजिस्ट्रीः पाथवेज टु ग्लोबल कम्पटीटिवनेस (भारत की शिप रजिस्ट्री को बेहतर बनानाः वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के रास्ते) में इस मामले में अवसरों की कमी के बारे में उल्लेख किया था। भारत के झंडे वाले जहाज डीपी वर्ल्ड इंडस का अधिग्रहण करना घरेलू समुद्री कनेक्टिविटी को मजबूत करने और ग्राहकों को भरोसेमंद, उच्च-गुणवत्ता वाली सेवाएं देने के हमारे संकल्प को दिखाता है। इस सर्विस के माध्यम से हम देशभर की कंपनियों एवं बाजारों को जोड़ते हैं।

इन्वेस्को म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया समिट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड

मुंबई/पटना। इन्वेस्को म्यूचुअल फंड ने आज समिट एसआईएफ ब्रांड नाम के तहत स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) श्रेणी में अपने प्रवेश की घोषणा की। एसआईएफ क्षेत्र में कदम रखने के साथ ही, कंपनी ने अपनी पहली एसआईएफ निवेश रणनीति, समिट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड को लॉन्च करने की भी घोषणा की। यह एक खुली अवधि की इक्विटी निवेश रणनीति है जो सूचीबद्ध इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करती है, जिसमें डेरिवेटिव उपकरणों के माध्यम से इक्विटी में सीमित शॉर्ट एक्सपोजर शामिल है। समिट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड को लॉन्ग पोजीशन के माध्यम से दिशात्मक बढ़त और शॉर्ट पोजीशन के माध्यम से रणनीतिक गिरावट दोनों के अवसरों का लाभ उठाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह रणनीति समिट एसआईएफ के मूल दर्शन को दशार्ती है यानी बाजार की स्थितियों के अनुसार ढलना और अतिरिक्त रिटर्न की तलाश करना। इस निवेश रणनीति में पोर्टफोलियो को मजबूती देने के लिए दो अलग-अलग रणनीतियों का संयोजन किया जाएगा। इसमें पहली रणनीति एक दिशात्मक लॉन्ग रणनीति है, जो इन्वेस्को एसेट मैनेजमेंट (इंडिया) के वर्गीकरण ढांचे पर आधारित बॉटम-अप स्टॉक चयन प्रक्रिया द्वारा संचालित होती है। दूसरी एक रणनीतिक शॉर्ट पोजीशन है, जो डेरिवेटिव के माध्यम से उन शेयरों में गिरावट के अवसरों का लाभ उठाने के उद्देश्य से बनाई गई है, जिनके कमजोर प्रदर्शन की उम्मीद है। इस निवेश रणनीति का प्रबंधन श्री हितेन जैन द्वारा किया जाएगा और इसका बेंचमार्क बीएसई 500 टीआरआई होगा।

नथिंग ने पेश किया फोन (4b)

मुंबई/पटना। लंदन की कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड नथिंग ने आज फोन (4b) से पर्दा उठा दिया। यह (b) सीरीज का पहला स्मार्टफोन है और नथिंग के प्रोडक्ट इकोसिस्टम में एंट्री करने वालों के लिए एक नया विकल्प है। फोन (4a) सीरीज की कामयाबी को आगे बढ़ाते हुए फोन (4b) में नथिंग का सिग्नेचर डिजाइन, दमदार रोजमर्रा की परफॉर्मेंस, समझदार सॉफ्टवेयर और लंबे समय तक भरोसे का शानदार मेल मिलता है। इसमें नथिंग का ग्लिफ इंटरफेस, अपनी कैटेगरी में सबसे दमदार स्नैपड्रैगन प्रोसेसर परफॉर्मेंस, नथिंग के किसी भी स्मार्टफोन में अब तक की सबसे बड़ी बैटरी, 50 मेगापिक्सल ओ आई एस मेन कैमरा, 120 हर्टज सुपर एमोलेड डिस्प्ले और नथिंग ओ एस दिया गया है, जिसे एंड्रॉयड का सबसे अलग और सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले एक्सपीरियंस में गिना जाता है। इसके साथ एसेंशियल एआई टूल्स भी मिलते हैं।

अचार्य शैलेश पांडे ने अपने जन्मदिन पर भरत भूषण तिवारी को दी श्रद्धांजलि

भायंदर (उत्तरशक्ति)। बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में पिछले दिनों पुलिस एनकाउंटर में जिस तरह से आत्म समर्पण के बाद भी भरत भूषण तिवारी की पुलिस द्वारा निर्मम रूप गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई, उससे व्यथित होकर संकल्प राष्ट्र सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण न्यास अयोध्या धाम के राष्ट्रीय प्रवक्ता अचार्य शैलेश पांडे ने आज अपना जन्मदिन न मनाकर भायंदर पूर्व स्थित अपने जनसंपर्क कार्यालय भारत माता मंदिर सेवाश्रम में शहीद भरत भूषण तिवारी की श्रद्धांजलि और शोक सभा का आयोजन किया। उपस्थित लोगों ने भरत भूषण तिवारी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा मौन व्रत रखकर उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।इस अवसर पर उपस्थित लोगों में अचार्य शैलेश पांडे,शिक्षण समिति सभापति स्नेहा शैलेश पांडे, परिवहन समिति सभापति एड. राजकुमार मिश्रा, भाजपा जिला महामंत्री बृजेश तिवारी,पतंजलि योग समिति ठाणे जिला प्रमुख योग गुरु संतोष खटावकर, जिला सचिव मुकेश जांगिड़, फूलकुमार झा जिला सचिव, समाजसेवक एल आर पांडे, समाजसेवी मैना पांडे ,जितेंद्र प्रताप सिंह मंडल उपाध्यक्ष विश्वनाथ तिवारी जिला सचिव,बी एस पाठक, संदीप दुबे, संजय दुबे, देवेंद्र सिंह, संजय गुप्ता, संदीप शर्मा, नितीन ओझा,विशाल रजक आदि का समावेश रहा।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

पनवेल, नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि., राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ), नवी मुंबई, महाराष्ट्र के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन छठ तालाब परिसर, करंजाड़े पनवेल, नई मुंबई में किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों, समाजसेवियों एवं युवाओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जिसमें ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले बरगद, पीपल, नीम, आदि पौधों का रोपण हुआ तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को शुद्ध ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की भी आधारशिला हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति ने कहा कि प्रजापति समाज विकास मंडल केवल सामाजिक सेवा ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी निरंतर जनजागरण एवं सेवा कार्य लगातार विगत कई वर्षों से करता रहा है और करता रहेगा। उन्होंने सभी समाज बंधुओं, संस्थाओं एवं नागरिकों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका पालन-पोषण करने का आह्वान किया।प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.संस्था इसके अलावा भी अन्य सामाजिक कार्यों-जैसे शिक्षक सामग्री मुक्त नोटबुक वितरण, स्वच्छता अभियान, मेडिकल कैंप आदि का भी आयोजन करती रहती है। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेने वालों में चंद्र प्रताप प्रजापति-राष्ट्रीय अध्यक्ष, विशाल प्रजापति-युवा अध्यक्ष महाराष्ट्र, लव कुमार प्रजापति युवा अध्यक्ष पनवेल महानगरपालिका, भगवान दास प्रजापति अध्यक्ष करंजाड़े शहर, राकेश प्रजापति एग्जीक्यूटिव सदस्य पनवेल, क्ष.अमिता चौहान अध्यक्षा नारी शक्ति एनजीओ, सत्यनारायण शर्मा अध्यक्ष छठ पूजा समिति, प्रयाग साह सचिव जय माताजी चैरिटेबल ट्रस्ट नवीन पनवेल, हरेंद्र शर्मा सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरियाली बढ़ाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

भिवंडी साउथ रोटरी क्लब अध्यक्ष पद की कमान मिली मारुती गलिपेल्ली को, पदग्रहण समारोह में नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी-कल्याण बाईपास स्थित के.एन. पार्क रिसोर्ट में रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी साउथ की नई कार्यकारिणी के पदग्रहण एवं दायित्व वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में सर्वसम्मति से मारुती गलिपेल्ली को क्लब का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं सुधाकर गलिपेल्ली को सचिव तथा नागराज कुर्रे को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी जिला गवर्नर-इलेक्ट एजी. नीलेश जयवंत ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पदभार सौंपते हुए उन्हें समाजसेवा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा नई कार्यकारिणी इस सेवा परंपरा को और आगे बढ़ाएगी। नवनियुक्त अध्यक्ष मारुती गलिपेल्ली ने कहा कि क्लब के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहन, जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाएंगे। उन्होंने क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारियों का विश्वास जताने के लिए आभार भी व्यक्त किया।समारोह में स्थानीय नगरसेवक संतोष शेट्टी, नगरसेविका रजिता मोहन कोंडा, अखिल पद्मसाली समाज के कोषाध्यक्ष अवधूत बलराम, डॉ. वेंकटेश देवसानी, मनोहर पाटिल, डॉ. पेंबटला सत्यम, एडवोकेट चिटिकेन वेंकटेश, बाले श्रीनिवास, गुडेली वेंकटेशम, मोहन कोंडा, संतोष अडेप, वेंकटेश कोंडा, प्रसाद कोडम, गंगाधर मास्टर, लक्ष्मण गडिपेल्ली, कपूरचंद गुप्ता, भंडारी मल्लिकार्जुन, बास्केट बूरा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं रोटरी क्लब के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।यदि चाहें, मैं इसे दैनिक भास्कर, दिव्य भास्कर या दैनिक जागरण की शैली में और अधिक प्रभावशाली बनाकर भी तैयार कर सकता हूँ।

प्रतिभा सम्मान समारोह एवं शैक्षणिक सामग्री का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मोगवीरा महाजन सेवा संघ, बागवाड़ी होबली की डोंबिवली स्थानीय समिति की ओर से गत दिनों डोंबिवली पश्चिम स्थित प्रीति सभागृह में विद्यार्थियों के लिए पुस्तक एवं शैक्षणिक सामग्री वितरण तथा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कल्याण एन्व्हायर्नमेंट संस्था के विद्यार्थियों को पुस्तकों और अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया तथा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के पूर्व अध्यक्ष राजू मेंडोन वंदसे के हाथों दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के पूर्व अध्यक्ष एवं डोंबिवली समिति के मार्गदर्शक महाबल एम. कुंदर ने की। समिति के कोषाध्यक्ष शेखर एम. मोगवीरा, दिनेश पुत्रन तथा दिनेश मोगवीरा ने कुलदेवी श्री महिषासुरमर्दिनी देवी की पूजा-अर्चना की।

समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजू ए. मोगवीरा टग्गरसे ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए समिति की अब तक की सामाजिक गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने सभी अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर चयनित पांच मेधावी विद्यार्थियों को शॉल, पुष्पहार और स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि राजू मेंडोन वंदसे ने कहा कि डोंबिवली समिति हर वर्ष उत्साहपूर्वक विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित करती है और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रतिभा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करती है। उन्होंने समिति के सुव्यवस्थित एवं अनुशासित कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।अध्यक्ष महाबल एम. कुंदर ने अपने संबोधन में कहा कि ₹अन्नदान और विद्यादान दोनों ही सबसे श्रेष्ठ दान हैं। प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए और इस सम्मान को देवी का आशीर्वाद समझना चाहिए। माता-पिता और बड़ों का सम्मान करने वाला व्यक्ति जीवन में अवश्य सफल होता है।

मुख्य कार्यालय के मानद महासचिव गणेश मेंडोन ने कहा कि डोंबिवली समिति सभी स्थानीय समितियों में अग्रणी है। समिति लगातार तीन वर्षों से विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित कर रही है तथा प्रत्येक तीन माह में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने समिति को मुख्य कार्यालय की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यालय के मानद कोषाध्यक्ष नागराज श्रीयान, डोंबिवली समिति के सचिव संतोष बी. पुत्रन, कोषाध्यक्ष शेखर नाईक सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। समारोह के दौरान विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई तथा पुस्तक वितरण में सहयोग करने वाले दानदाताओं और मुख्य कार्यालय के सदस्यों का भी पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया गया।

भिवंडी में अतिवृष्टि से जलजमाव, मनपा आयुक्त ने किया मौके का निरीक्षण कर अधिकारियों को जारी किया निर्देश

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भिवंडी शहर के कई हिस्सों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक शामिल रहा, जहां सड़क पर भारी मात्रा में पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भिवंडी मनपा आयुक्त ने स्वयं छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पहुंचकर जलभराव वाले क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से जलजमाव के कारणों की जानकारी ली तथा तत्काल प्रभाव से पानी की निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शहर के किसी भी हिस्से में जलभराव की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ युद्धस्तर पर कार्य करें और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दें। साथ ही, बारिश के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए ।निरीक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन एवं नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें उपायुक्त (आपदा प्रबंधन) सपना वसावा, स्वास्थ्य विभाग के सहायक आयुक्त फैजल तातली, शहर विकास विभाग के प्रमुख समीर जवरे तथा आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख साकिब खरबे शामिल थे।अधिकारियों ने मौके पर जल निकासी कार्यों की समीक्षा करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का भरोसा दिलाया। महानगरपालिका प्रशासन ने कहा कि मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए आपदा प्रबंधन दल पूरी तरह सतर्क है और शहर के संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में महिला डॉक्टरों व कर्मचारियों से मारपीट का CCTV आने के बाद बवाल, डॉक्टरों की हड़ताल शुरू

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) के शास्त्रीनगर अस्पताल में महिला डॉक्टर, नर्स और कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट और धक्का-मुक्की का गंभीर मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। फुटेज में अस्पताल परिसर के भीतर हुई हाथापाई का दृश्य दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, शिवसेना (शिंदे गुट) के नगरसेवक रमेश म्हात्रे अपने कुछ समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अस्पताल के कर्मचारियों के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट, धक्का-मुक्की तथा अभद्र व्यवहार किया गया। घटना का पूरा घटनाक्रम अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया, जिसके बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया। **डॉक्टरों का**

कामबंद आंदोलनः घटना के विरोध में शास्त्रीनगर अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कामबंद आंदोलन शुरू कर दिया है। इस मामले में 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस में कोई एफआईआर दर्ज नहीं होने की बात सामने आई है। इसी के विरोध में डॉक्टरों ने ओपीडी सेवाएं बंद कर दी हैं। इस घटना का असर केवल शास्त्रीनगर अस्पताल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के अन्य अस्पतालों में भी देखने को मिला। डॉक्टरों ने एकजुट होकर काम बंद कर दिया है। हालांकि, मरीजों की सुविधा को देखते हुए आपातकालीन (इमरजेंसी) सेवाएं जारी रखी गई हैं, जबकि नियमित ओपीडी और अन्य सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि जब तक इस मामले में नगरसेवक रमेश म्हात्रे और उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर मामला दर्ज नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

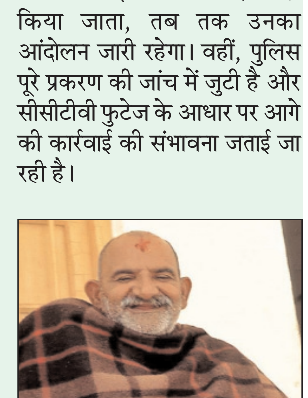

नीम करौली बाबा

विधायक राजेश मोरे ने महावितरण अधिकारियों को लगाई फटकार

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली और कल्याण ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और हाई-वोल्टेज (फ्लक्चुएशन) की समस्या को लेकर शिवसेना विधायक राजेश मोरे ने मंगलवार को महावितरण अधिकारियों की कड़ी फटकार लगाई। एमआईडीसी स्थित महावितरण कार्यालय में मुख्य अभियंता जगदीश बोडके सहित विभागीय अभियंताओं के साथ हुई बैठक में विधायक ने बिजली आपूर्ति में सुधार की मांग करते हुए स्मार्ट मीटर लगाने का भी विरोध जताया ।बैठक में उपजिल्हाप्रमुख राजेश कदम, विवेक खामकर, राजन मराठे, ओम लोके, नगरसेवक सूरज मराठे, शिवसेना पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे ।विधायक राजेश मोरे ने अधिकारियों से कहा कि, आपके स्मार्ट मीटर जरूरत से ज्यादा स्मार्ट हो गए हैं। पहले खुद स्मार्ट बनिए, फिर स्मार्ट मीटर की बात कीजिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई दिनों से डोंबिवली और कल्याण ग्रामीण क्षेत्र में बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली गुल हो रही है। कई बार 15 से 20 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है और शिकायत करने पर अधिकारियों के फोन तक नहीं उठाए जाते ।उन्होंने कहा कि कम और अधिक वोल्टेज के कारण लोगों के महंगे विद्युत उपकरण खराब हो रहे हैं। ऐसे नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा, इसका जवाब महावितरण को देना चाहिए। विधायक ने मांग की कि बिजली बंद करने से पहले उपभोक्ताओं को एसएमएस भेजा जाए और बिजली गुल होने पर शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए ।स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर विधायक ने स्पष्ट कहा कि शिवसेना इसका विरोध करती है और उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाने चाहिए। उनका कहना था कि डोंबिवली ऐसा शहर है जहां बिजली बिल का लगभग 100 प्रतिशत भुगतान होता है और बिजली चोरी नगण्य है। ऐसे में यहां स्मार्ट मीटर थोपने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार स्मार्ट मीटर लागू करना चाहती है तो पहले बढ़ी हुई बिजली दरों में कमी करे और उपभोक्ताओं को राहत दे। किसी विशेष कंपनी के लाभ के लिए आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए ।अंत में विधायक राजेश मोरे ने चेतावनी दी कि यदि बिजली आपूर्ति की अनियमितताओं और तकनीकी खामियों पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो महावितरण को जनता के तीव्र आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा और कहा कि इस मुद्दे को वे वरिष्ठ स्तर पर भी उठाएंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पुलिस मुठभेड़ में पांच बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

8 तमंचे, देसी रिवॉल्वर और दो बाइकें बरामद

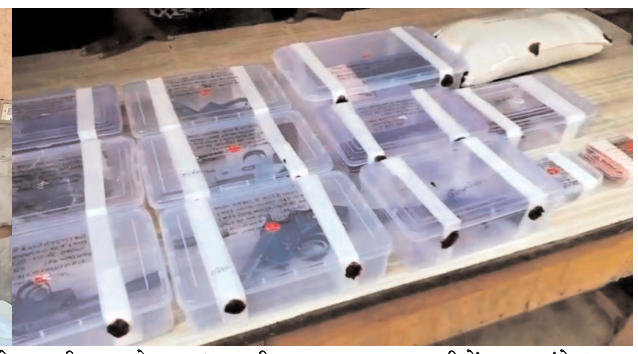

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के जलालपुर और केराकत थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के बाद पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपित के पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से आठ तमंचे, एक देसी रिवॉल्वर, कारतूस और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान केराकत थाना पुलिस टेकुरीडीह के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस को देखकर दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच युवक भागने लगे। सूचना मिलने पर जलालपुर थाना पुलिस ने पराऊगंज-टेकुरी मार्ग पर घेराबंदी की।

पुलिस का दावा है कि दोनों ओर से घिरने पर आरोपितों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली सोनल वर्मा के पैर में लगी। इसके बाद पुलिस ने पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सोनल वर्मा (बीरमपुर, केराकत), राजेश्वर पांडेय (एकौना, गौराबादशाहपुर), अवनीश गुप्ता (बीरमपुर, केराकत), बाबी कुमार और रंजीत कुमार (दोनों निवासी जालंधर, पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सोनल वर्मा के खिलाफ पहले से लूट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपितों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

बरामदगी में आठ तमंचे (.315 और .32 बोर), एक देसी .32 बोर रिवॉल्वर, तीन जिंदा कारतूस, एक मिस कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा दो मोटरसाइकिल शामिल हैं। इस संबंध में जलालपुर थाने में संबंधित धाराओं एवं आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर के चर्चित डबल मर्डर-डकैती कांड का एक लाख का इनामी बदमाश एसटीएफ मुठभेड़ में ढेर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के शाहगंज क्षेत्र में वर्ष 2014 के चर्चित डबल मर्डर और डकैती कांड का मुख्य वांछित आरोपी तथा एक लाख रुपये का इनामी बदमाश आसिफ उर्फ विक्की छैमार मंगलवार को यूपी एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ अंबेडकरनगर जनपद के भीवाना थाना क्षेत्र में हुई। गोली लगने से घायल बदमाश को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

एसटीएफ के अनुसार मृतक की पहचान आसिफ उर्फ विक्की छैमार पुत्र बाबू उर्फ मजहर, निवासी मकनपुर, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर के रूप में हुई। उसके कब्जे से 32 बोर की पिस्टल, 12 बोर की पौनिया, भारी मात्रा में कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के मुताबिक आसिफ अपने गिरोह के साथ घरों में घुसकर लोगों को बंधक बनाकर डकैती करता था और विरोध करने पर हत्या करने से भी नहीं चूकता था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में हत्या, डकैती और लूट समेत 21 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे।

2014 में शाहगंज में हुई थी दोहरे हत्याकांड की वारदातः 23 अप्रैल 2014 की रात शाहगंज के नई आबादी, खुटहन रोड स्थित दवा व्यापारी धीरज सिंह के घर में बदमाशों ने धावा बोलकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया था। डकैती के दौरान धारदार हथियार से किए गए हमले में उनकी पत्नी सुमन सिंह और बेटी स्वाति सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बदमाश लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लूटकर फरार हो गए थे। इस मामले में आसिफ लंबे समय से फरार था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।

एसटीएफ के अनुसार आसिफ वर्ष 2013 के सुल्तानपुर हत्याकांड, वर्ष 2014 के जौनपुर डबल मर्डर-डकैती कांड, वर्ष 2015 के कौशांबी और मुजफ्फरनगर डकैती कांड समेत कई संगीन मामलों में वांछित था। उसके मारे जाने के साथ ही प्रदेश के कई चर्चित मामलों के एक अहम आरोपी का अंत हो गया।

महासंघ का महाभियान श्री कृष्ण जन्मभूमिः आचार्य डॉ.हरिओम पाठक

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी की वर्चुअल बैठक विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष भिखारी प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश धर्माचार्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य डॉ.हरिओम पाठक ने कहा कि,प्राचीन श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के पक्ष में सारे पौराणिक, ऐतिहासिक व संवैधानिक साक्ष्य होते हुए भी जबरदस्ती ईदगाह का बने रहना, सनातन संस्कृति का घोर अपमान है। हम इसे कतई बर्दास्त नहीं करेंगे। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर लोक सन्यासी योगी आदित्यनाथ महाराज जी ने कहा है कि अब बारी है बांके बिहारी की, कृष्ण कन्हैया बंसी वाले की।

इसी संदर्भ में आगामी 16 अगस्त को सिद्धेश्वर सिद्ध पीठ झांसी में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ श्री कृष्ण

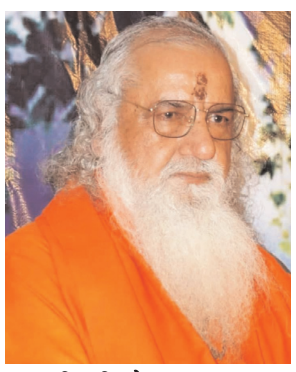

जन्मभूमि मुक्ति हेतु एक व्यूह रचना की जाएगी।वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रदेव सिंह ने कहा कि, राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज जी की पुण्यतिथि से श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का श्री गणेश किया जाए।प्रकोष्ठों के अध्यक्ष गण गंगा शर्मा कौशिक, गंगा धाकड़, रुद्र कुमार पाठक, प्रवीण सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष गण जयशंकर केसरी, दीपक शुक्ला, राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, विनोद जैन, आशा प्रजापति, अखिलेश मिश्रा ने कहा कि, झांसी की बैठक में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति हेतु एक व्यापक रणनीति बनाई जाए।

क्षेत्रीय अध्यक्ष गण शरद परमार, दीपक त्रिपाठी, श्याम बाबू शर्मा, आशा सभरवाल, आशा शर्मा, नीलम गिरी, डॉ गिरीश चंद्र द्विवेदी,श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी,क्षेत्रीय महामंत्री गण राजेंद्र शर्मा, श्रीवंत तिवारी संभाग प्रभारी गण संजय शुक्ला, पंकज वालिया, उमेश प्रजापति, मनोज श्रीवास्तव व मंडल प्रभारी गण राजेश शर्मा, बृजेश तिवारी, अंकित उपाध्याय, प्रिंस देव शर्मा, अनुज सिंह, डॉ सतीश गौतम, लव कुमार, अभिषेक कठेरिया, संतराम पेंटर, संगीता मिश्रा, सुनीता मेहता व सुमन पटेल इत्यादि ने कहा कि, श्री कृष्ण जन्मभूमि को हम जनांदोलन बनाएंगी।

रोहित यादव ने बढ़ाया जौनपुर और प्रदेश का मानः जगदीश सोनकर

पिता ने जैवलिन खरीदने के लिए मित्र से लिया था कर्ज, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के घर के पास खड़ंजा रोड भी नहीं, प्रशासन से की बात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अदारी निवासी एवं विश्व के नंबर-2 जैवलिन थ्रोअर बने रोहित यादव की ऐतिहासिक उपलब्धि पर मछलीशहर के पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता जगदीश सोनकर ने उनके आवास पहुंचकर माता-पिता से मुलाकात की और परिवार को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की ओर से रोहित यादव के पिता सभाजीत यादव का सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। घर पहुंचने पर उन्हें जानकारी मिली कि इस तरह सैकड़ों गोल्ड मेडल और पुरस्कार रोहित यादव को मिले हैं। जिसे उनके पिता ने एक टेबल पर सजा के रखा था। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के घर जाने के लिए खड़ंजा की भी रोड नहीं थी इस पर पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर ने जिला प्रशासन से बात की।

प्रदेश के पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर ने कहा कि रोहित यादव की यह सफलता केवल मछलीशहर विधानसभा या जौनपुर जनपद की ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर रोहित ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाकर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य किया है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति नया उत्साह और आत्मविश्वास पैदा होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव उन प्रतिभाओं के साथ खड़ी रहती है जो अपनी मेहनत और लगन से देश का गौरव बढ़ाते हैं। ऐसे खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन दिलाने के लिए पार्टी तथा हमारी सरकार

निरंतर प्रयासरत है।

पूर्व विधायक ने कहा कि मछलीशहर विधानसभा की जनता ने उन्हें वर्षों तक सेवा का अवसर दिया है, जिसके लिए वे सदैव आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के अधिकांश परिवारों से उनका आत्मीय संबंध है और आगे भी उनकी कोशिश रहेगी कि प्रत्येक व्यक्ति तक व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने अदारी गांव के रोहित यादव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह आने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का तिरंगा ऊंचा लहराकर देश, प्रदेश और जौनपुर का नाम विश्व पटल पर और अधिक गौरवान्वित करेंगे। उनके पिता सभाजीत यादव ने कहा कि मछली शहर लोकसभा की सॉसद बगल में आई थी लेकिन मेरे घर आना उन्होंने उचित नहीं समझा इसी तरह क्षेत्र की विधायक भी मेरे घर नहीं आई इसका उन्हें मलाल रहेगा। जब उनके पिता सभाजीत यादव ने बताया उन्होंने जैवलिन खरीदने के लिए अपने मित्र से पैसा उधार लिया था, तब पूर्व विधायक की आंखें गीली हो गई। उन्होंने कहा कि इस गांव के लिए कुछ बड़ा करने की योजना पर काम करूंगा ताकि रोहित यादव की मेहनत जिले ही नहीं पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बने। पूर्व विधायक जगदीश सोनकर के प्रति उन्होंने आस्था जताते हुए कहा कि आप लगातार क्षेत्र में बने रहते हैं और हर लोग की समस्याओं को सुनते हैं किसी भी अच्छे जनप्रतिनिधि में ऐसे गुण होने चाहिए जो निस्वार्थ होकर जनता की सेवा कर सके। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हुआ क्षेत्रीय लोग उपस्थित थे। पूर्व विधायक के अदारी गांव में आने की सूचना पर वहां पर काफी संख्या में लोग उनसे मिलने के लिए इकट्ठा हो गए।

पत्नी ने पड़ोसी के साथ मिलकर कराई पति की हत्या, ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा

प्रतापगढ़,उत्तरशक्ति (राजस्थान)। प्रतापगढ़ पुलिस ने एक सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी और उसके पड़ोसी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पत्नी ने अपने से 19 वर्ष छोटे पड़ोसी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम देने के लिए मध्य प्रदेश से तीन युवकों को बुलाया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या के लिए पांच लाख रुपये में सौदा तय किया गया था। आरोपियों ने हत्या के बाद शव को कट्टे में भरकर घर से दूर एक कुएं में फेंक दिया, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके।

जानकारी के अनुसार, 26 जून को दलोट गांव स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास एक कुएं से कट्टे में बंद शव बरामद हुआ था। मृतक की पहचान भचूंडला निवासी शंकरलाल के रूप में हुई। शुरूआती शिकायत मृतक की पत्नी ने ही दर्ज कराई थी, लेकिन जांच के दौरान पुलिस को उस पर शक हुआ।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन विशेष टीमें गठित कीं। करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और परिजनों सहित ग्रामीणों से पूछताछ की गई। तकनीकी साक्ष्यों और मनोवैज्ञानिक पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हत्या की पूरी साजिश का खुलासा कर दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके पड़ोसी युवक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल मध्य प्रदेश के अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ में दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या का आरोप, पति गिरफ्तार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी के इंदिरानगर क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर एक नवविवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों की शादी करीब चार महीने पहले हुई थी।

पुलिस के अनुसार, बिहार के बक्सर जिले निवासी अभिषेक ओझा ने इंदिरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उनकी बहन को उसका पति कमलकांत मिश्रा और उसके परिजन दहेज में चार पहिया वाहन की मांग को लेकर प्रताड़ित करते थे। मांग पूरी न होने पर पति ने दुपट्टे से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इंदिरानगर पुलिस ने सोमवार को खुर्रमनगर स्थित पिकनिक स्पॉट गेट के पास से आरोपी कमलकांत मिश्रा (28) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से बिहार के भोजपुर जिले का निवासी है और लखनऊ के मानस एन्क्लेव में किराये पर रहता था।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के साथ कश्मीर घूमने जाने की तैयारी कर रहा था। विमान का टिकट नहीं मिलने पर ट्रेन का टिकट कराया गया, जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोपी का दावा है कि विवाद के बाद उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली।

हालांकि, एसीपी गाजीपुर अमित कुमार पांडे ने बताया कि मृतका के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एंटी मार्टम चोटों की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

15वें कैनवस समर कप कॉस्को क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ

◆ स्वास्थ्य विभाग ने प्रेस क्लब को 5 विकेट से हराया

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। स्थानीय रामलीला टीसीडी खेल मैदान में रविवार को 15वें कैनवस समर कप कॉस्को क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता

का उद्घाटन पूर्व विधायक हरिराम चेरो ने फीता काटकर किया। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और दोनों टीमों के कप्तानों की मौजूदगी में टॉस कराया।

टॉस जीतकर प्रेस क्लब दुद्धी के कप्तान रवि सिंह ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित 12 ओवरों में प्रेस क्लब की पूरी टीम 64 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से सत्यम ने 18, राजा ने 16, शमीम अंसारी ने 11, राकेश गुप्ता ने 7, पप्पू यादव ने 4 तथा सिराज खान ने 2 रन बनाए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से विवेक और आशीष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट झटके।

65 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने केवल 6 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया। संदीप सिंह ने नाबाद 34 रन की शानदार पारी खेली। जयशंकर पांडे ने 11, आशीष पाल ने 10, आशीष शुक्ला ने 6 तथा कप्तान एवं चिकित्साअधीक्षक डॉ. शाह आलम ने 4 रन का योगदान दिया।

प्रेस क्लब की ओर से गेंदबाजी में राजा उर्फ देवी शक्ति ने 2 विकेट लिए, जबकि रवि सिंह और शमीम अंसारी को 1-1 सफलता मिली।

इस तरह टूनार्मेंट के उद्घाटन मुकाबले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रेस क्लब दुद्धी को 5 विकेट से हराकर विजयी आगाज किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन, राजकुमार अग्रहरि, कमल कुमार कानू, संरक्षक सुमित सोनी, अनुराग चौरसिया, अजीत सिंह, इरफान सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूपी में अगले छह महीने तक हड़ताल पर प्रतिबंध, सरकार ने जारी किया आदेश

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार ने लोकहित को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लेते हुए राज्य की सभी सरकारी एवं सार्वजनिक सेवाओं में अगले छह महीने तक हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इस संबंध में प्रमुख सचिव, नियुक्ति एवं कार्मिक आईएएस एम. देवराज द्वारा आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार आवश्यक एवं सार्वजनिक सेवाओं के निर्बाध संचालन और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। सरकार के निर्देश के बाद प्रदेश में सरकारी और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े कर्मचारी एवं अधिकारी अगले छह माह तक हड़ताल नहीं कर सकेंगे। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

आगामी विधानसभा चुनाव में सपा की बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकारः तूफानी सरोज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर कस्बा के चोरसंड में सोमवार की शाम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाने के बाद विधायक केराकत तूफानी सरोज के नेतृत्व में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

गौराबादशाहपुर के चोरसंड गांव में सपा विधायक केराकत तूफानी सरोज के नेतृत्व में सोमवार शाम को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन भव्य तरीके से मनाया। जन्मदिन मनाने के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में सपा विधायक केराकत तूफान सरोज ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। विधायक तूफानी सरोज ने कहा कि भाजपा सरकार में मंदिर में मिले चढ़ाए व दानपेटी के पैसों की भी चोरी हो जा रही है। विधायक ने कहा कि इस सरकार में अपराध चरम पर है। जनता भाजपा के नेताओं की बहकावे में नहीं आएगी और सपा का सरकार बनने में अपना सहयोग।

जौनपुर में 8 जुलाई से बदलेगा स्कूलों का समय, जर्जर भवनों में कक्षाएं लगाने पर रोक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में मौसम सामान्य होने के बाद कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने आदेश जारी करते हुए बताया कि 8 जुलाई 2026 से परिषदीय,

सीबीएसई, आईसीएसई, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, मदरसा एवं अन्य बोर्ड के विद्यालय सुबह 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक संचालित होंगे।

परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रार्थना एवं योगाभ्यास सुबह 8:00 से 8:15 बजे तक तथा मध्यावकाश सुबह 10:30 से 11:00 बजे तक रहेगा। शिक्षकों को शिक्षण कार्य शुरू होने से 15 मिनट पहले विद्यालय पहुंचने तथा विद्यालय बंद होने के बाद कम से कम 30 मिनट तक रुककर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विद्यालयों को निर्देशित किया है कि जर्जर अथवा असुरक्षित भवनों में किसी भी स्थिति में बच्चों को न बैठाया जाए। ऐसे भवनों का उपयोग तत्काल बंद कर सुरक्षित स्थान पर शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आदेश का सभी विद्यालयों में कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीडीए कमजोर वर्गों की भागीदारी का अभियान, अखिलेश वंचितों की मजबूत आवाजः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन, कटघरा में आयोजित संवाद कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि वंचित, पीड़ित, शोषित, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की प्रभावी आवाज के रूप में अखिलेश यादव सामने आए हैं।

अरशद खान ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय मिले। समाजवादी विचारधारा का उद्देश्य भी यही है कि सत्ता का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में विकास, कानून व्यवस्था, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य

हुए, जिसके कारण आज भी जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर कायम है। उन्होंने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और मोहल्लों में जाकर संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, रोजगार, किसानों के अधिकार और सामाजिक न्याय का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया।

अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी का संघर्ष केवल सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, सामाजिक समरसता और सभी वर्गों के सम्मान व अधिकारों की रक्षा के लिए है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के लोकतांत्रिक समर्थन से सामाजिक न्याय की विचारधारा और अधिक मजबूत होगी।

जौनपुर में 'माय भारत' अभियान की तैयारी तेज, 50 हजार युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में युवाओं को 'माय भारत' पोर्टल से जोड़ने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में आयोजित बैठक में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 50 हजार युवाओं का पंजीकरण कराने के लक्ष्य को लेकर रणनीति तैयार की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, आईटीआई, खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग, एनएसएस और एनसीसी के नोडल अधिकारियों को अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य को 15 अगस्त 2026 तक पूरा करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

बैठक में 'माय भारत' अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए गोमती नदी स्वच्छता अभियान और मैराथन दौड़ जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जागरूक करने पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि 'माय भारत' युवाओं को व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, कौशल निर्माण और सामाजिक सहभागिता के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराता है। इस पोर्टल के माध्यम से युवा विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों से जुड़कर अपनी प्रतिभा और विचारों को साझा कर सकते हैं।

बैठक में जिला युवा अधिकारी माय भारत तन्मय मोहन, जिला युवा कल्याण अधिकारी, सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक, क्रीड़ा अधिकारी, एनएसएस नोडल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गोमती नदी में बीचों-बीच कई घंटों से पड़ा गाय का शव, प्रशासन की लापरवाही पर उठे सवाल

प्रियेश गुप्ता रुद्रा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के हनुमान घाट के पास मंगलवार शाम करीब 5 बजे गोमती नदी के बीचों-बीच एक गाय का शव काफी देर से पड़ा दिखाई दिया। शव के नदी में पड़े रहने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है और उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गोमती नदी में श्रद्धालु स्नान, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में नदी के बीच शव पड़े रहने से जल प्रदूषण फैलने के साथ-साथ संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है। लोगों ने संबंधित विभाग और नगर पालिका प्रशासन से तत्काल शव को नदी से बाहर निकलवाकर उसका विधिवत निस्तारण कराने की मांग की है, ताकि नदी की स्वच्छता बनी रहे और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि गाय की मौत किन परिस्थितियों में हुई। समाचार लिखे जाने तक शव नदी में ही पड़ा था और संबंधित विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

मानक पूरा नहीं 12 कोचिंग संचालकों को नोटिस

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मानको और नियमों को ताख पर रखकर संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानों पर प्रशासन शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सोमवार को तहसील मुख्यालय पर बैठक में उपजिलाधिकारी सुनील कुमार ने कड़ा रुख अपनाते हुए करीब एक दर्जन कोचिंग संचालकों को नोटिस दिया। उन्होंने सभी को 15 दिन के भीतर शासन द्वारा निर्धारित मानकों को पूरा करने का सख्त निर्देश दिया है। एसडीएम ने चेताया है कि मानक पूरा करें, वरना कोचिंग संस्थान बंद होंगे। बैठक के दौरान उपजिलाधिकारी ने सभी संचालकों को निर्देश दिया कि वे अपने संस्थानों में भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र, अग्निशमन उपकरण, सीसीटीवी कैमरे, छात्र-छात्राओं के लिए अलग शौचालय व पेयजल सुनिश्चित करें।

किशोरी से दुष्कर्म में युवक को आजीवन कारावास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत ने एक किशोरी से दुष्कर्म के दोषी मनीष यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर 70 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। दोषी मनीष यादव जफराबाद थाना क्षेत्र के शिवपुर जमैथा का निवासी है। अदालत ने आदेश दिया है कि जुमार्ने की यह पूरी धनराशि पीड़िता को दी जाए। इस मामले में पीड़िता के मामा ने 8 सितंबर 2024 को जफराबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वादी के अनुसार, 15 वर्षीय पीड़िता अपने नाना के साथ रहती थी, जबकि उसके मामा-मामी हरियाणा में रहते थे।मार्च 2024 में जब पीड़िता घर में सोई हुई थी, तभी मनीष यादव वहां आया। उसने पीड़िता का मुंह दबाकर उसे जबरन छत पर ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी थी कि यदि उसने किसी को इस बारे में बताया तो वह उसके नाना को मार देगा।इस डर से पीड़िता ने किसी को कुछ नहीं बताया और आरोपी लगातार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। जब पीड़िता की मामी हरियाणा से घर आईं, तब पीड़िता ने उन्हें अपनी आपबीती सुनाई। सूचना मिलने पर मामा भी घर आए और जफराबाद थाने में घटना की जानकारी दी। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया और मजिस्ट्रेट के समक्ष उसके बयान दर्ज किए। जांच में यह भी सामने आया कि पीड़िता गर्भवती हो गई थी और उसने एक मृत बच्चे को जन्म दिया था। पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने मनीष यादव को दुष्कर्म का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

बहू-बेटी सम्मेलन' से जुड़ गए तीन बिखरे परिवार, पुलिस की पहल से खत्म हुए आपसी विवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और पारिवारिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस के महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन द्वारा 'बहू-बेटी सम्मेलन' का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान काउंसलिंग और आपसी संवाद के माध्यम से लंबे समय से विवाद में चल रहे तीन परिवारों के बीच सुलह कराई गई, जिसके बाद सभी परिवार फिर से साथ रहने पर सहमत हो गए। कार्यक्रम का आयोजन शासन की मंशा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के निर्देशन में किया गया। सम्मेलन में महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की टीम और अनुभवी काउंसलरों ने पारिवारिक विवादों से जूझ रहे दंपतियों एवं उनके परिजनों की विस्तार से काउंसलिंग की। सकारात्मक समझाइश और मध्यस्थता के बाद तीनों परिवारों ने पुराने मनमुटाव और कड़वाहट को भुलाकर नए सिरे से पारिवारिक जीवन शुरू करने का निर्णय लिया। सहमति बनने के बाद प्रभारी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की मौजूदगी में पुलिस टीम, काउंसलरों और दोनों पक्षों के परिजनों की उपस्थिति में महिलाओं की सम्मानपूर्वक विदाई कराई गई। पुलिस अधिकारियों ने सभी परिवारों को सुखद और खुशहाल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए समाज में संवाद और आपसी विश्वास के महत्व पर बल दिया।

तेज आंधी-बारिश में गिरी कच्ची दीवार, मलबे में दबकर महिला की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के चितौड़ी गांव में सोमवार शाम तेज आंधी और बारिश के दौरान कच्ची दीवार गिरने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, चितौड़ी गांव निवासी मंजू देवी (48) पत्नी जियालाल गौतम शाम करीब सात बजे अपने मवेशियों के लिए खेत में घास काटने गई थीं। इसी दौरान अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वह एक कच्ची दीवार के पास खड़ी हो गईं, तभी अचानक दीवार भरभराकर गिर गई और मंजू देवी मलबे के नीचे दब गईं। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका मंजू देवी पांच बच्चों की मां थीं। उनके पति जियालाल गौतम मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही तेजीबाजार थाना पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष तेजीबाजार सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नियमानुसार कार्रवाई की गई। हादसे के बाद गांव के लोगों ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

गवाही से रोकने के लिए हादसे में युवक की हत्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र में गत दिनों हुई दर्दनाक दुर्घटना की आड़ में युवक की हत्या किए जाने का मामला अब पुलिस अधीक्षक के पास पहुंच चुका है। मृत युवक के मामा ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर एक मुकदमे में गवाही न होने पाए जिसके कारण अभियुक्तों ने गवाह को ही मौत के घाट उतार देने की बात बताई। मड़ियाहूं के भंडरिया टोला पाही निवासी मासूम अंसारी बताया कि मेरी बहन कहकशा को 2017 में मारा पीटा गया था जिसमें सरायविक्रम निवासी अफजल, अफसर पुत्रगण मुनीर व सलमान पुत्र मुनौव्वर के खिलाफ बरसठी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। न्यायालय में हाजिर नहीं होने के कारण अभियुक्तों के खिलाफ एनबी डब्ल्यू भी जारी था। 6 जुलाई को मृतक भांजा महताब अंसारी का न्यायालय में अंतिम बयान होना था। गवाही न होने पाए इसके लिए अभियुक्तों ने एक साजिश के तहत जब मेरा भांजा महताब आलम मड़ियाहूं नगर से दवा लेकर घर लौट रहा था शिवपुर बाईपास के पास काली स्कॉर्पियो गाड़ी से टक्कर मार दिया। भांजे की मौत हुई कि नहीं इसके लिए स्कार्पियो सवार लोहे की राड लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और दुर्घटना में घायल हो चुके भांजे को राड से मारकर मौत की घाट उतार दिया गया। बताया कि तिराहे पर काफी लोगों ने इस घटना को देखा भी और अपने मोबाइल में कैद भी किया। जब ग्रामीणों ने स्कार्पियो सवार लोगों को रोकना चाहा तो वह भाग गए। घटना को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो को भी मृतक के मामा ने पुलिस अधीक्षक को दिखाया। क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के अनुसार मामा द्वारा मृतक युवक की हत्या का आरोप लगाया गया है मौके की सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो एवं पूछताछ के बाद जो भी सही होगा वह दर्ज मुकदमे में विवेचक से आगे की कार्रवाई करवाई जाएगी।

श्री गणेश राय पीजी कॉलेज में यूनियन बैंक के उत्पादों की दी जानकारी, नए शाखा प्रबंधक का हुआ स्वागत

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 7 जुलाई दिन मंगलवार को श्री गणेश राय पीजी कॉलेज, करी स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा में मंगलवार को नवनियुक्त शाखा प्रबंधक देवेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में क्षेत्रीय कार्यालय जौनपुर (वेस्ट) से आए अधिकारियों ने कॉलेज के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर बैंक की विभिन्न योजनाओं एवं उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बैंक के सैलरी अकाउंट, डिजिटल बैंकिंग, ऋण योजनाओं, बीमा सेवाओं तथा अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से बैंक की सेवाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कॉलेज के प्राचार्य मनोज कुमार सिंह ने नवनियुक्त शाखा प्रबंधक देवेंद्र कुमार सिंह के कार्यों एवं प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बैंक की सेवाएं और बेहतर होंगी। उन्होंने कॉलेज के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सैलरी अकाउंट यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की श्री गणेश राय पीजी कॉलेज शाखा में खुलवाने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर सहायक प्रबंधक अभिषेक पांडे, सीनियर मैनेजर पवन कुमार सहित क्षेत्रीय कार्यालय से आए अन्य अधिकारी, कॉलेज के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य बैंक की योजनाओं की जानकारी देकर ग्राहकों को बेहतर एवं आधुनिक बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना रहा

विश्वकर्मा समिति ने मेधावी विद्यार्थियों का बढ़ाया हौसला, 7 .5 लाख रुपए की शिक्षा प्रोत्साहन राशि बांटी

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विश्वकर्मा समिति मुंबई की ओर से आयोजित सर्व शिक्षा अभियान में समाज के कक्षा 10 और 12 वीं के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित श्री विश्वकर्मा समिति प्रांगण में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10 वीं के प्रत्येक 25 विद्यार्थियों को 15 हजार रुपये और कक्षा 12 वीं के प्रत्येक 15 विद्यार्थियों को 20 हजार रुपये शिक्षा प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। सर्व शिक्षा अभियान रजिस्ट्रेशन नहीं कराने वाले विद्यार्थियों को भी 1100 रुपये का सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री विश्वकर्मा मंदिर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भारी बरसात के बावजूद मेधावियों की भारी भीड़ रही।

इस अवसर पर विश्वकर्मा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा और उत्कृष्टता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का माध्यम है। ऐसे आयोजन अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं और समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करते हैं।

चेयरमैन सुनील राणा ने विद्यार्थियों से शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा साधन बताते हुए निरंतर अध्ययन, अनुशासन और कठिन परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और शिक्षित, संस्कारित व जागरूक युवा ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।

महामंत्री एड. जे.पी. शर्मा ने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह जैसे आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने समाज में आपसी एकता, सहयोग और सामूहिक आयोजनों को बढ़ावा देने पर भी बल दिया।

पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों से जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने, अभिभावकों को बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने और मोबाइल के सीमित उपयोग की सलाह दी। विश्वकर्मा समिति की संपर्क टीम के सदस्य परविंद विश्वकर्मा ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है। समारोह में लालजी विश्वकर्मा, सर्वजीत विश्वकर्मा, मोतीलाल विश्वकर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, सचिन विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, संजय शर्मा, प्रेमचंद विश्वकर्मा, रामलाल विश्वकर्मा, रामशब्द शर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा, नन्हेलाल विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, लल्लन विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल के बाली विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक संजय सिंह का भव्य स्वागत

जौनपुर। विकास खंड महराजगंज स्थित ब्लॉक सभागार में मंगलवार को क्षेत्र के बिझवट गांव निवासी एवं पश्चिम बंगाल के बाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय सिंह के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख मांडवी विनय सिंह ने की।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक संजय सिंह ने कहा कि वह वर्ष 1987 से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष और कार्यकताओं की मेहनत के बल पर हावड़ा क्षेत्र में पहली बार कमल खिलाने का अवसर मिला, जो संगठन की सामूहिक जीत है। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि गांव की मिट्टी से निकलकर संजय सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राजनीतिक माहौल में जीत दर्ज कर क्षेत्र और जनपद का नाम गौरवान्वित किया है।ब्लॉक प्रमुख मांडवी विनय सिंह ने विधायक संजय सिंह एवं राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी को अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संजय सिंह की उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र उपाध्याय ने की, जबकि संचालन अखिलेश सिंह ने किया। समारोह में राजेश्वरी सिंह, अवधेश उपाध्याय, संदीप सिंह, राहुल सिंह, अशोक सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जौनपुर डॉक्टर्स एसोसिएशन की नई टीम का गठन, डॉ. अंजर बने अध्यक्ष; चिकित्सकों के हितों पर हुआ मंथन

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर डॉक्टर्स एसोसिएशन (खऊअ) की ओर से डॉ. शमीम के आवास पर आयोजित बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्विरोध गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी में डॉ. अंजर (स्टार हॉस्पिटल, सिपाह) को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं डॉ. फैसल नसीम को महासचिव, डॉ. अबू ओसामा को उपाध्यक्ष तथा डॉ. दानिश (मुल्लाटोला) को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान, उनके हितों की रक्षा तथा जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन की जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया। बैठक में मौजूद चिकित्सकों ने नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डॉ. शमीम, डॉ. दानिश खान, डॉ. मोहम्मद राशिद, डॉ. आजमुद्दीन, डॉ. अंजर, डॉ. तबरेज, डॉ. अबू ओसामा, डॉ. दानिश (मुल्लाटोला), डॉ. आमिर, डॉ. शोएब, डॉ. मिसकात खालिद, डॉ. फैसल नसीम, डॉ. इरफान सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक उपस्थित रहे।

सावन में भक्तों के स्वागत को सज गया श्री काशी विश्वनाथ धाम

सुरेश गांधी

वाराणसी। विश्व की आध्यात्मिक राजधानी काशी एक बार फिर शिवभक्ति के सबसे बड़े पर्व श्रावण मास के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। 30 जुलाई से 28 अगस्त (रक्षाबंधन) तक चलने वाले इस पावन महीने में करोड़ों शिवभक्तों के आगमन को देखते हुए श्री काशी विश्वनाथ धाम में सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन का ऐसा व्यापक खाका तैयार किया गया है, जिसमें श्रद्धालु की आस्था सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और व्यवस्थाएं आधुनिक तकनीक से सुसज्जित रहेंगी। इसी क्रम में मंगलवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम के बोर्ड रूम में वाराणसी मंडल के आयुक्त एस. राजलिंगम तथा पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल की संयुक्त अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ, पीएसी, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि इस बार श्रावण मास में केवल भीड़ प्रबंधन ही नहीं, बल्कि सुरक्षित, समान और सहज दर्शन को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाया जाएगा। बैठक में सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, सफाई, पार्किंग, यातायात, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम), बिजली, सीसीटीवी, ई-रिक्शा तथा आपदा प्रबंधन सहित प्रत्येक व्यवस्था पूरी तरह समन्वित और प्रभावी हो। धाम के बाहर संकरी गलियों में लटक रहे बिजली के तारों को व्यवस्थित कर ऊपर कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना समाप्त हो सके।

पिछले वर्षों के अनुभवों को देखते हुए इस बार जिग-जैग बैरिकेडिंग को और मजबूत बनाया जा रहा है। बैरिकेड के दोनों ओर अतिरिक्त सुरक्षा अवरोध लगाए जाएंगे ताकि भीड़ का दबाव नियंत्रित रहे। श्रद्धालुओं को उमस और गर्मी से राहत देने के लिए कतारों में इंडस्ट्रियल एयर कूलर लगाए जाएंगे। पूरे परिसर में नियमित अंतराल पर शीतल पेयजल उपलब्ध रहेगा। चिकित्सकीय टीमों के साथ ओआरएस, ग्लूकोज तथा प्राथमिक उपचार की भी व्यापक व्यवस्था रहेगी।

बदलापुर में चला स्वास्थ्य विभाग का चाबुक, केराकत के बेसमेंट अस्पतालों पर कार्रवाई का इंतजार

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेसमेंट में संचालित अस्पतालों एवं मानकविहीन निजी चिकित्सालयों पर छापेमारी कर नोटिस जारी किए जाने के बाद अब केराकत क्षेत्र में भी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर एवं सीएचसी स्टेशन रोड़ के आस-पास के क्षेत्रों में कई निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और क्लीनिक नियमों की अनदेखी करते हुए संचालित हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

नगर के स्टेशन रोड सहित विभिन्न स्थानों पर बेसमेंट में संचालित बताए जा रहे अस्पतालों और नर्सिंग होमों को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार जेपी नारायण पॉलीक्लिनिक, बुद्धाय सिटी नर्सिंग होम सहित कुछ अन्य निजी अस्पतालों के संचालन की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। लोगों का कहना है कि यदि बदलापुर में स्वास्थ्य विभाग मानकविहीन अस्पतालों के खिलाफ अभियान चला सकता है, तो केराकत में भी ऐसे संस्थानों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे अवैध रूप से संचालित अस्पतालों के संचालकों के हौसले बुलंद हैं। लोगों ने मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक एवं संबंधित स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सभी निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और क्लीनिकों के पंजीकरण, अग्निशमन व्यवस्था, भवन मानकों तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच करे। यदि कोई संस्थान नियमों का उल्लंघन करता पाया जाए तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जरूरतमंद परिवारों के बीच साड़ी और मिठाई वितरित कर टीम ने बांटी खुशियां

डॉ. इम्तियाज अहमद

मानीकलां जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा भाव को समर्पित पहल के तहत ग्राम पंचायत मानीकलां में जरूरतमंद परिवारों के बीच साड़ी एवं मिठाई का वितरण किया गया। टीम के सदस्यों ने जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा करते हुए सामाजिक सहयोग और मानवता का संदेश दिया। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की मदद करना सभी की जिम्मेदारी है। छोटी-छोटी कोशिशें भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकती हैं। कार्यक्रम में आरिफ हबीब, विधान सभा अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव, कलीम सिद्दीकी, पूर्व प्रधान अनीस अहमद, गप्पू मौर्या,डॉ .शारिक शेख, वकार शेख, मोअज्जम, सुफियान खान, आसिफ पठान, जाहिद खान, मो.सालिम,आसिफ शेख, कलीमुल्लाह , सहित अन्य लोग मौजूद रहे। टीम द्वारा किए गए इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

अपना दल (एस) की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर जोर, जय सिंह पत्रकार बने पंचायत मंच के जिलाध्यक्ष

मो.जावेद

मड़ियाहूँ ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपना दल (एस) मछलीशहर जिला इकाई की मासिक बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय मड़ियाहूँ में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जय सिंह पत्रकार को पंचायत मंच का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माता बदल तिवारी ने कहा कि कार्यकर्ता प्रत्येक गांव में जनचौपाल लगाकर पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़कर संगठन को मजबूत बनाया जाए। विशिष्ट अतिथि विधायक डा. आर.के. पटेल ने कहा कि संगठन की मजबूती बूथ स्तर से शुरू होती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से प्रत्येक बूथ पर संगठन का गठन पूरा करने और सदस्यता अभियान को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाकर संगठन को नई मजबूती दी जाए। जिला पंचायत सदस्य ललई सरोज ने कहा कि कार्यकताओं के सुख-दुःख में सहभागी बनना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करने से कार्यकताओं का मनोबल बढ़ता है और संगठन के प्रति उनका विश्वास मजबूत होता है। जिलाध्यक्ष लालबहादुर पटेल ने विधानसभा अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्रों की संगठनात्मक समितियों का गठन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। प्रदेश सचिव सुनील पटेल ने कहा कि सभी पदाधिकारी कार्यकताओं के घर-घर जाकर पार्टी का झंडा लगवाएं और गांव स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के अभियान को तेज करें।

बैठक का संचालन राकेश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य डा. सुनीता वर्मा, प्रदेश सचिव युवा मंच उदय प्रताप पटेल, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य वाराणसी परिक्षेत्र ओमप्रकाश पासी, जिला मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर पटेल, नितेश पाठक, राजेंद्र पटेल, कन्हैयालाल पटेल, रवि गुप्ता, अजीत पटेल, रवि पटेल, सार्जन पटेल, राकेश कुमार, मनोज सिंह, शिवम सिंह, महेंद्र पटेल, सौरभ सिंह, दीपक गौड़, राजबहादुर पटेल, कपिल देव, लालजी पटेल, जवाहरलाल वर्मा, लल्लन पटेल, रोहित पटेल, दुर्गावती देवी, हरिलाल पटेल, त्रिभुवन पटेल, बबलू सरोज, राजवंस पटेल, संतोष पटेल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम योगी के दौरे से पहले वाराणसी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी,सड़क किनारे खड़े वाहन हटवाए गए

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दो दिवसीय वाराणसी दौरे को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए थाना लालपुर-पांडेयपुर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया।प्रभारी निरीक्षक थाना लालपुर-पांडेयपुर अतुल सिंह एवं पांडेयपुर चौकी प्रभारी दिनेश सिंह ने पुलिस टीम के साथ सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाया तथा लोगों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने की अपील की। अभियान के दौरान पुलिस ने मार्गों को अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग से मुक्त कराया ताकि मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान यातायात सुचारु रहे और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में पुलिस की सतर्कता और निगरानी लगातार बढ़ाई गई है।

जज सिंह अन्ना ने सीएमओ जौनपुर को सौपा ज्ञापन

जौनपुर। जिलाधिकारी जौनपुर को क्रांतिकारी नेता समाजसेवी जज सिंह अन्ना ने 7 जुलाई को सीएमओ सम्बंधित ज्ञापन सौंपकर मांग किया कि यदि 10 जुलाई प्रातः 10 बजे तक बरसठी जयरामपुर पीएचसी नहीं चलाई जाती तो जज सिंह अन्ना पीएचसी जयरामपुर के गेट के सामने अनिश्चित कालीन आमरण अनशन पर बैठेंगे। जिलाधिकारी जौनपुर ने तत्काल सीएमओ जौनपुर को फोन करके कहा कि आप पीएचसी तत्काल चलवा दे हमारे पास जज सिंह अन्ना का ज्ञापन पड़ा है। ज्ञापन की कॉपी भेज रहा हूं, सीएमओ जौनपुर ने जिला अधिकारी से फोन पर कहा कि आवश्यक चिकित्सा स्टाफ उपलब्ध नहीं होने की वजह से विलंब हो रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि सेमेस्टर वाइज चिकित्सक लगाकर पीएचसी जयरामपुर चलाई जाए। उसके बाद सीएमओ जौनपुर से जज सिंह अन्ना जाकर ज्ञापन सौंपा सीएमओ ने कहा कि मैं 8 जुलाई या 9 जुलाई को जयरामपुर पीएससी चलाने का आदेश जारी कर दे रहा हूं। आपको धरना पर बैठने का मौका नहीं मिलेगा जज सिंह अन्ना पीएचसी जयरामपुर चलाने हेतु जिलाधिकारी जौनपुर को 2 ज्ञापन मुख्यमंत्री जन सभागार में मुख्यमंत्री को ज्ञापन और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को जयरामपुर पीएससी चलाने का ज्ञापन सौपा था। जिसमें चिकित्सा मंत्री बृजेश पाठक ने कहा था कि अन्ना हजारे कौन सी पीएचसी है जो आपकी नहीं चल रही है। इस तरह सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना की एक महान जीत चिकित्सा क्षेत्र में फिर हासिल हुई। दूरभाष के द्वारा जज सिंह अन्ना ने पत्रकार आदेश मिश्र को बताया कि इसके पहले अन्ना करियाव मीरगंज पीएचसी और तेजी बाजार पीएससी चलवा चुके हैं

परमानंद पांडेय के निधन पर शोक संदेश

अमेठी/मुंबई। जनपद अमेठी के निवासी वरिष्ठ नागरिक परमानंद पांडेय (78 वर्ष) का हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत परमानंद पांडेय के निधन पर उनके पुत्रगण, नाती-पोतों सहित पूरे परिवार ने गहरा दुःख व्यक्त किया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में गाय प्रसाद पांडेय, राकेश पांडेय, राजेश पांडेय, दिनेश पांडेय, दुर्गेश, मुकेश, बृजेश, नितेश, सिद्धांत, रोहित, मिंटू, हिमांशु और नीरज उपाध्याय, गौतम उपाध्याय, पंकज उपाध्याय, नीलम राजेश पांडेय एवं एड. डी आर मिश्र, श्री रामलीला उत्सव समिति (पार्कसाईट) के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल उर्फ रिंकू, दिवाकर मिश्र, प्रो. अभयकांत तिवारी, विमलेश मिश्र,सर्वदेव पांडेय,दलजीत पांडेय, अरविंद सी शुक्ल, अजय पांडेय, संदीप त्रिपाठी, बृजेश शुक्ल,अरविंद शुक्ल,दिनेश सिंह, निलेश तिवारी (गोपाल), ब्रह्मदेव दुबे,अनिल सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।